राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 302 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,07 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

7 किलो यूरेनियम के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने गुरुवार को 7 किलो यूरेनियम के साथ 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। ठाणे से गिरफ्तार दोनों आरोपी पिछले कई दिनों से यूरेनियम बेचने के लिए खरीदार की तलाश कर रहे थे। जब्त यूरेनियम की बाजार में कीमत 21 करोड़ रुपए बताई जा रही है। एटीएस अब इस बात की जांच कर रही है कि इसका इस्तेमाल क्या विस्फोटक बनाने के लिए किया जाने वाला था जानकारी के मुताबिक, आरोपियों की पहचान अबू ताहिर (31) और जिगर पांडे (27) के रूप में हुई है। इन्होंने एक प्राइवेट लैब में इसकी टेस्टिंग भी करवाई थी।

कई राज्यों में होने वाले उपचुनाव रद्द

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय निर्वाचन आयोग ने कोरोना के खतरे को देखते हुए कई राज्यों में खाली हुई लोकसभा और विधानसभा सीटों के उपचुनाव को टाल दिया है। आयोग माहौल सामान्य होने पर इन सीटों पर चुनाव कराएगा। चुनाव आयोग ने बुधवार को चुनाव टालने के संबंध में बयान जारी किया है। भारतीय निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा है कि देश में कोरोना की दूसरी लहर से उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए चुनाव टालने का निर्णय लिया गया है।

एल्कोहल युक्त होम्योपैथिक दवा पीने से 9 की मौत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कथित तौर पर एल्कोहल युक्त होम्योपैथिक दवा पीने से कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई है,जबकि 5 को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस का कहना है कि इन लोगों ने शराब के बदले यह दवा पी थी जिसमें 91 फीसदी एल्कोहल होता है। पुलिस ने एक होम्योपैथिक डॉक्टर को भी हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। सिटी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (सीएसपी) निमेष बाराइया ने कहा कि घटना बिलासपुर के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है। यहां कोरमी गांव में मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ये मौतें हुई हैं। 9 मृतकों में से 4 की मौत मंगलवार देर रात गांव में हुई, जबकि 5 की मौत बिलासपुर के अस्पताल में हुई।

कार्टून

कोरोना पर हुई समीक्षा बैठक में बोले पीएम मोदी

'टीकाकरण की स्पीड में नहीं आनी चाहिए कमी, राज्य रखें खयाल'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश में कोविड-19 महामारी के कारण उपजे हालात की व्यापक तौर पर समीक्षा की। उन्हें 12 राज्यों में 1 लाख से अधिक सक्रिय मामलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा राज्यों के जिन जिलों में संक्रमण के कारण अधिक मौतें हो रही हैं, उससे भी उन्हें अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि इन राज्यों को मदद के साथ इनकेस्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु दिशा-निर्देश भी दिए जाएं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री ने राज्यों द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे कामों का विवरण दिया। इसके अलावा उन्होंने प्रभावित राज्यों में वैक्सीनेशन व दवाओं का भी लेखा जोखा लिया।

वैक्सीनेशन पर प्रधानमंत्री ने दिया जोर - प्रधानमंत्री ने कोरोना के कारण संवेदनशील हालात वाले राज्यों का जिक्र किया और कहा कि इन जगहों पर वैक्सीनेशन की प्रक्रिया की गति कम नहीं होनी चाहिए। लोगों को लॉकडाउन के बावजूद वैक्सीनेशन की सुविधा दी जानी चाहिए और जो हेल्थकेयर वर्कर वैक्सीनेशन का काम कर रहे हैं उन्हें किसी और ड्यूटी में न लगाया जाए। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने उन राज्यों के बारे में भी विवरण लिया जहां कोरोना वैक्सीन बर्बाद हो गए। प्रधानमंत्री को बताया गया कि 45 साल से अधिक उम्र वाले करीब 31 फीसद जनसंख्या को अब तक वैक्सीन की खुराक मिल चुकी है।

वैक्सीनेशन के साथ दवाओं के उत्पादन का भी लिया ब्यौरा

प्रधानमंत्री ने दवाओं की उपलब्धता का विवरण लिया। उन्हें रेमडेसिविर समेत तमाम दवाओं के उत्पादन प्रक्रिया में लाई गई तेजी से अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री ने वैक्सीनेशन में प्रगति व अगले कुछ महीनों में होने वाले दवाओं के उत्पादन की भी समीक्षा की। उन्हें बताया गया कि करीब 17.7 करोड़ वैक्सीन की खेप राज्यों को सप्लाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने इस बात का जिक्र किया कि राज्यों को एडवाइजरी भेजी गई है कि वे 10 फीसद या उससे अधिक संक्रमण के मामलों वाले जिलों को चिन्हित करें।

इस मीटिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, मनसुख मंडाविया व अन्य मंत्रियों के साथ शीष अधिकारी भी मौजूद थे।

बता दें कि आज सुबह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, भारत में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 4,12,262 नए मामले आए और 3,980 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद अब तक देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 2,10,77,410 हो गया है और कुल मरनेवालों की संख्या 2,30,168 हो गई है।

उन्होंने कहा, लॉकडाउन के बीच भी टीकाकरण के लिए नागरिकों को सुविधा दी जानी चाहिए और टीकाकरण में शामिल स्वास्थ्य कर्मियों को किसी दूसरी ड्यूटी के लिए डायवर्ट नहीं किया जाना चाहिए. इस बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के आलावा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, रेल मंत्री पीयूष गोयल और मनसुख मंडाविया के साथ अन्य मंत्री और टॉप अधिकारी मौजूद रहे.

पीएम मोदी ने अगले कुछ महीनों में कोरोना वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाने के लिए रोडमैप तैयार करने की भी समीक्षा की. बैठक में प्रधानमंत्री को बताया गया कि राज्यों को लगभग 17.7 करोड़ वैक्सीन की सप्लाई की गई है. इसी के साथ, पीएम ने वैक्सीन की बर्बादी को रोकने के लिए राज्यों के प्रयासों का जायजा लिया. उन्हें बताया गया कि 45 साल से ज्यादा उम्र वर्ग के लगभग 31 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी जा चुकी है.

कोरोना की तीसरी लहर का भी डर, तय करें न हो ऑक्सीजन की कहीं कमी- केंद्र से सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों को केंद्र द्वारा ऑक्सीजन की आपूर्ति से संबंधित मामले की सुनवाई की. इस दौरान अदालत ने कहा कि केंद्र, सुप्रीम कोर्ट को यह बताए कि वह दिल्ली के अस्पतालों को ऑक्सीजन कैसे देगा. इस पर सॉलिसिटर-जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि फिलहाल दिल्ली के अस्पतालों में जरूरी मात्रा में ऑक्सीजन का भंडार है. एसजी ने कहा कि राजस्थान, जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य भी अपने अस्पताल की मांगों को पूरा करने के लिए अधिक ऑक्सीजन की मांग कर रहे हैं.

सुनवाई के दौरान केंद्र ने विभिन्न राज्यों को ऑक्सीजन की खरीद और आपूर्ति पर सुप्रीम कोर्ट को अपनी विस्तृत योजना पेश की. जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि केंद्र को पूरे देश के आधार पर ऑक्सीजन आपूर्ति के मुद्दे को देखना होगा. जज ने कहा कि ऑक्सीजन ऑडिट पर भी गौर करने की जरूरत है.

तीसरी लहर की आशंका पर चिंतित दिखा कोर्ट- सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करे कि कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच दिल्ली में ऑक्सीजन को लेकर अफरातफरी ना मचे. जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि आपको दिल्ली में 700 एमटी ऑक्सीजन देनी होगी. फिलहाल हमारे स्वास्थ्यकर्मी बिल्कुल थक गए हैं. आप बेहतर स्वास्थ्य सेवा कैसे सुनिश्चित करेंगे?

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार भारत में कोरोना की तीसरी लहर बच्चों को प्रभावित करेगी. जब बच्चा कोविड अस्पताल जाएगा तो मां और पिता भी जाएंगे. इसीलिए इस समूह के लोगों के लिए टीकाकरण करना होगा. हमें वैज्ञानिक तरीके से इसके लिए योजना बनाने की जरूरत है और इस प्रकार व्यवस्था करनी चाहिए.

अवमानना की कार्यवाही पर लगाई रोक- इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए 700 मीट्रिक टन चिकित्सीय ऑक्सीजन आपूर्ति करने के निर्देश का अनुपालन नहीं करने पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा केंद्र सरकार के अधिकारियों के खिलाफ शुरू की गई अवमानना की कार्यवाही पर बुधवार को रोक लगा दी. न्यायालय ने कहा, 'अधिकारियों को जेल में डालने से ऑक्सीजन नहीं आएगी और जिंदगियों को बचाने की कोशिश होनी चाहिए.'

सीबीआई जांच पर देशमुख को हाईकोर्ट से झटका

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की एफआईआर को चुनौती देने वाली अनिल देशमुख की याचिका खारिज कर दी। साथ ही बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई से 4 सप्ताह में देशमुख की याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई अदालत के ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद होगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अनिल देशमुख को निर्देश दिया है कि अगर जरूरत पड़ी तो उनके केस की तात्कालिकता के आधार पर हाईकोर्ट की वेकेशन बेंच को स्थानांतरित किया जाए। बता दें

कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने करीब डेढ़ महीने पहले राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख ने ही मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे को हर महीने 100 करोड़ रुपये की वसूली का टारगेट दिया था। हालांकि, अनिल देशमुख ने आरोपों से इनकार किया था, लेकिन बॉम्बे हाई कोर्ट की ओर से सीबीआई जांच के आदेश के बाद देशमुख को पद से इस्तीफा देना पड़ा था। वह इस समय सीबीआई जांच का सामना कर रहे हैं। इस पूरे मामले की शुरूआत उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिले विस्फोटक वाली कार से शुरू हुआ। इस मामले में मुंबई पुलिस के एपीआई सचिन वाजे का नाम सामने आने के बाद विवाद बढ़ता गया।

पश्चिम मेदिनीपुर में केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन पर हुआ हमला, कार हुई क्षतिग्रस्त

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद बंगाल के विभिन्न इलाकों में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है. बीजेपी कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं. अब पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पंचखुंडी गांव में केंद्रीय राज्य मंत्री वी मुरलीधरन की कार पर हमले किए गए हैं. हालांकि केंद्रीय मंत्री को चोट नहीं आई है, लेकिन कार क्षतिग्रस्त हुई है.

बता दें कि वी मुरलीधरन बीजेपी के नेताओं की केंद्रीय टीम के सदस्य थे, जो पश्चिम मेदिनीपुर में हिंसा से पीड़ित कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने गए थे. मुरलीधरन में पश्चिम मेदिनीपुर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर लौट रहे थे. उसी समय उनकी कार पर कुछ स्थानीय लोगों ने हमला बोल दिया. इसमें उनकी कार क्षतिग्रस्त हुई है. हालांकि उन्हें चोट नहीं आई है. बीजेपी नेताओं का आरोप है कि टीएमसी समर्थित गुंडों ने मंत्री की कार पर हमला किया है.

हिंसा की तहकीकात के लिए पहुंची है केंद्रीय टीम

दूसरी ओर, आज ही बंगाल में हिंसा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अधिकारियों की चार सदस्यीय टीम बंगाल भेजी है. यह टीम हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करेगा और पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेगा.गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव के नेतृत्व में यह टीम अपनी रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपेगी. यह टीम कोलकाता पहुंचने के बाद डीजी और गृह सचिव के साथ बैठक की. इस बैठक में टीम ने राज्य सरकार ने अनुमति मांगी है, हालांकि राज्य सरकार ने अनुमति दी है या नहीं. अभी यह साफ नहीं हो सका है.

चुनाव के बाद लगातार हो रही है हिंसा- बता दें कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद बंगाल के विभिन्न इलाकों में बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट, आगजनी, हत्या और दुष्कर्म की वारदातें हो रही है. इस बाबत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य प्रशासन ने रिपोर्ट भी तलब की थी, लेकिन राज्य सरकार की ओर से इसका कोई जवाब नहीं दिया गया है. पीएम नरेंद्र मोदी ने हिंसा को लेक राज्यपाल जगदीप धनखड़ से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली थी. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खुद हिंसा पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी और ममता बनर्जी पर हिंसा को उकसाने और हिंसा की वारदात के समय चुप्पी साधने का आरोप लगाया था.

केजरीवाल बोले- दिल्ली को बस 1 दिन 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन देने से काम नहीं चलेगा

नई दिल्ली। दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिल्ली को प्रतिदिन 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है, लेकिन कल पहली बार दिल्ली को 730 मीट्रिक टन ऑक्सीजन मिली है। उन्होंने कहा कि 1 दिन 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन देने से काम नहीं चलेगा, जब तक कोरोना के मामले कम नहीं हो जाते, हमें प्रतिदिन 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन चाहिए।

जब दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी थी तो बहुत से अस्पतालों ने बेड की संख्या कम कर दी थी। सभी अस्पतालों से निवेदन है कि वे अपने बेड की संख्या बढ़ा लें और पहले जितने बेड थे, उतने बेड उपलब्ध कराएं। हम उम्मीद करते हैं कि अब हमें प्रतिदिन 700 टन ऑक्सीजन मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बुधवार को पहली बार केंद्र सरकार ने दिल्ली को 730 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की थी, जबकि दिल्ली को 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आवश्यकता है। हम केंद्र, दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आभारी हैं।

उनके प्रयासों से हमें 730 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त हुई। मैं सभी से हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि आपूर्ति कम न करें, हम आपके शुक्रगुजार रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हमें ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति की जाए तो हम दिल्ली में 9000-9500 और नए ऑक्सीजन बेड बढ़ा सकेंगे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी से किसी को मरने नहीं देंगे।

इसके साथ ही केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अब तक हम 35,74,000 वैक्सीन डोज दे चुके हैं। लगभग 28 लाख लोगों ने पहली डोज ली है, इनमें से 7,76,000 लोगों ने दोनों डोज ली हैं। 18-45 आयु वर्ग में 3 दिन के अंदर दिल्ली में लगभग 1,30,000 लोगों को वैक्सीन लगाई गई है।

आरएलडी चीफ और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह का निधन

नई दिल्ली । आरएलडी के मुखिया और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह का निधन हो गया है। दिग्गज राजनेता अजित सिंह कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से बीते दिनों गुरुग्राम के अल्ट्रा मैक्स अस्पताल में भर्ती थे, जहां उन्होंने 86 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर दौर गई है। उनकी गिनती बड़े जाट नेताओं में होती थी। रालोद सुप्रीमो चौधरी अजित सिंह और उनकी पोती 24 अप्रैल को कोरोना पॉजिटिव हो गए थे। हालत खराब होने पर उन्हें गुरुग्राम के अल्ट्रा मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत में सुधार नहीं होने पर वे पिछले चार-पांच दिन से वेंटिलेटर पर थे। मगर गुरुवार की सुबह उनका निधन हो गया। राष्ट्रीय लोक दल के नेता अजित सिंह का जन्म 12 फरवरी 1939 को मेरठ में हुआ था। इनके निधन पर समाजवादी पार्टी समेत कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा- राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह जी का निधन, अत्यंत दुखद! आपका यूं अचानक चले जाना किसानों के संघर्ष और भारतीय राजनीति में कभी ना भरने वाली जगह छोड़ गया है। शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना! दिवंगत आत्मा को शांति दे भगवान।

कौन थे चौधरी अजित सिंह

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे चौधरी अजित सिंह राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बागपत से 7 बार सांसद रह चुके हैं। वह मनमोहन सिंह की सरकार के कार्यकाल में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री रह चुके हैं।

ममता बनर्जी बोलीं- बंगाल हिंसा में 16 लोगों की मौत, बीजेपी जनादेश स्वीकारने को तैयार नहीं

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में 2 मई को आए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हुई हिंसा को लेकर केंद्र सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच तकरार जारी है. बीजेपी की ओर से तृणमूल कांग्रेस पर हमले के आरोप लगाए जा रहे हैं. ऐसे में गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने इस दौरान कहा कि बीजेपी के नेता जनादेश को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल हिंसा में मारे गए लोगों के परिवार के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया. उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग की कानून व्यवस्था के अंतर्गत 16 लोगों की मौत हुई है. इनमें से बीजेपी और टीएमसी के आधे-आधे कार्यकर्ता थे. वहीं एक

कार्यकर्ता संयुक्त मोर्चा का था.

ममता बनर्जी ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, बीजेपी नेता यहां घूम रहे हैं. वे भड़काने का काम कर रहे हैं. अभी नई सरकार को बने 24 घंटे भी नहीं हुए कि उन्होंने पत्र भेजना, टीम भेजना और नेताओं को भी भेजना शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा, असल में वे जनादेश को मानने को तैयार ही नहीं हैं. मैं उनसे अनुरोध करती हूं कि वे जनादेश को स्वीकार करें.

ममता बनर्जी ने कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा. उन्होंने कहा, पीएम केयर्स फंड कहां है क्यों वे लोग युवाओं की जिंदगी खतरे में डाल रहे हैं. उनके नेताओं को दूसरे स्थानों पर जाने की जगह अस्पतालों में जाना चाहिए. उनके नेता यहां आ रहे हैं और कोरोना फैल रहे हैं. उन्होंने कहा, मुझे फ्री टीकाकरण को लेकर अभी तक पीएम मोदी की ओर से कोई जवाई नहीं मिला है. वे लोग फ्री टीकाकरण के लिए 30 हजार करोड़ रुपये क्यों नहीं आवंटित कर रहे हैं. जबकि नए संसद भवन और मूर्तियों के लिए 20 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं. बता दें कि बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को दावा किया था कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद राय में हुई हिंसा में कम से कम 14 बीजेपी कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई जबकि करीब एक लाख लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं. उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनाव परिणाम आने के बाद बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं की 'नृशंस हत्या' के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चुप्पी उनकी संलिप्तता बताती है.

आईटीबीपी रेफरल अस्पताल, ग्रेटर नोएडा में ऑक्सीजन संयंत्र के शुभारंभ के दौरान भारत में इटली के राजदूत विन्सेन्ज़ो डी लुका।

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में महारंगमा इलाके को स्वास्थ्य अधिकारियों ने बैरिकेड लगाकर अलग–थलग कर दिया।

बिल गेट्स की संपत्ति से मेलिंडा को मिले अरबों डॉलर

वाशिंगटन, (एजेंसी)। बिल गेट्स द्वारा बनाई गई होल्डिंग कंपनी कैस्केड इनवेस्टमेंट ने मैक्सिको की दो सबसे बड़ी कंपनियों में अपने स्टॉक ट्रांसफर किए हैं, जो कि मेलिंडा फ्रेंच गेट्स को मिलेंगे। इसके साथ ही पिछले कुछ दिनों में मेलिंडा गेट्स ने कुल मिलाकर दो अरब डॉलर से अधिक की रकम हासिल की है। रेगुलेटरी द्वारा 3 मई की फाइलिंग के मुताबिक, कैस्केड ने अपने स्टॉक मेलिंडा के नियंत्रण वाली कोका-कोला फेमसा और ग्रुपो टेलेविसा में ट्रांसफर किए।

ज्ञात हो कि अरबपति समाजसेवी बिल और मेलिंडा गेट्स ने तीन मई को तलाक की घोषणा करते हुए अपनी 27 साल की शादी को तोड़ने का फैसला किया था। उन्होंने तलाक का ऐलान करते हुए कहा था कि हमारा अब यही मानना है कि अब हम एक दंपति के रूप में साथ नहीं रह सकते है, लेकिन अपनी संस्था में हम साथ काम करते रहेंगे। ट्विटर पर एक संयुक्त बयान में दोनों ने कहा काफी सोच विचार करने और अपने संबंधों पर काम करने के बाद हमने अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है। ब्लूमबर्ग द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस हफ्ते कैस्केड इनवेस्टमेंट ने फ्रेंच गेट्स के लिए करीब 1.8 अरब डॉलर के शेयर कनेडियन नेशनल रेलवे कंपनी और ऑटोनेशन इंक में ट्रांसफर किए हैं।

दुनिया भर में कोरोना के 50 फीसदी नए मामले

लंदन, (एजेंसी)। भारत में कोरोना की भयावह स्थिति पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की भी नजर है। डब्लूएचओ ने अपनी साप्ताहिक महामारी विज्ञान रिपोर्ट में कहा है कि पिछले हफ्ते दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के नये मामलों का 46 प्रतिशत भारत में दर्ज किया गया, जबकि इसकी वजह से हुई कुल मौतों में से 25 प्रतिशत यहीं दर्ज हुईं। यानी पिछले हफ्ते पूरी दुनिया के करीब आधे कोरोना संक्रमण के मामले भारत में दर्ज किए गए, जबकि एक चौथाई मौतें भी भारत में ही हुईं। आंकड़ों के मुताबिक भी देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के चलते रिकॉर्ड 3,780 लोगों की मौत हुई और कोरोना वायरस संक्रमण के 3,82,315 नए मामले सामने आए। भारत में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक मंगलवार को 3,38,439 लोग संक्रमण से ठीक भी हुए हैं। देश में अब तक संक्रमण के कुल 2,06,65,148 मामले आए हैं, जिसमें 1,69,51,731 लोग ठीक हो चुके हैं, जो संक्रमण के कुल मामलों का 82.03 फीसदी है। वहीं अब तक 2,26,188 लोगों ने कोविड-19 के कारण जान गंवाई है।

लगातार साढ़े तीन लाख से ज्यादा मामलों के आने से ये सवाल उठने लगा है कि देश हर्ड इम्यूनिटी की ओर बढ़ रहा है। हर्ड इम्यूनिटी यानी देश की आधी से अधिक आबादी में कोरोना वायरस के खिलाफ इंटीबॉडी का होना और इस तरह बीमारी के खिलाफ इम्यूनिटी डेवलप कर लेना। देश में फिलहाल कोविड का रिप्रोडक्टिव रेट 1.44 है। यानी एक मरीज से कम से कम डेढ़ लोगों में संक्रमण फैल रहा है। कई लोग इस इंतजार में भी हैं कि देर-सबेर सबको कोरोना हो जाएगा और फिर कोई बीमार नहीं पड़ेगा। लेकिन विशेषज्ञों की राय इससे बिल्कुल अलग है। उनके मुताबिक भले ही देश के कई शहरों में किये गये सीरो सर्वे में काफी अधिक लोगों में एंडीबॉडी मिले हैं, लेकिन इससे हर्ड इम्यूनिटी डेवलप नहीं हो रही है। इसकी वजह ये है कि कोरोना वायरस में बहुत तेजी से बदलाव हो रहा है और कई नए स्ट्रेन सामने आ रहे हैं। इसी वजह से एक लहर के बाद दूसरी लहर शुरू हो गई है और अक्टूबर-नवंबर तक तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में लोगों को दूसरी-तीसरी बार भी संक्रमण हो रहा है। इसलिए फिलहाल कोई भी कोरोना वायरस से बिल्कुल इम्यून नहीं है।

4 मील प्रति सेकंड की गति से धरती की ओर बढ़ रहा है चीनी राकेट

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका सरकार ने चेतावनी दी है कि चीन का 21 टन वजनी रॉकेट शनिवार को किसी भी सयम धरती पर गिर सकता है। आशंका है कि यह भारी-भरकम रॉकेट घनी आबादी वाले अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क, स्पेन के मैड्रिड या चीन के बीजिंग को निशाना बना सकता है। हालांकि, वैज्ञानिक अब तक यह ठीक-ठीक पता नहीं लगा पाए हैं कि यह रॉकेट किस स्थान पर गिरेगा। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने खुलासा किया है कि शनिवार को धरती के वातावरण में फिर से प्रवेश कर सकता है। उन्होंने कहा कि रॉकेट को लेकर लगातार पोस्ट करके जानकारी दी जाएगी। सैटलाइट ट्रैकरों ने 100 फुट लंबा और 16 फुट चौड़ा रॉकेट 4 मील प्रति सेकंड की रफ्तार से धरती की ओर बढ़ रहा है। इस रॉकेट को 2021-035बी नाम दिया गया है।

अमेरिका रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता माइक हावर्ड ने कहा, अमेरिका का स्पेस कमांड चीन के लॉन्ग मार्च 5बी के बारे में पूरी सूचना रखता है और उसकी निगरानी कर रहा है। हालांकि अभी यह रॉकेट कहां पर गिरेगा, इसकी ठीक ठीक जानकारी उसके धरती के वातावरण में प्रवेश करने से पहले नहीं दी जा सकती है। यह रॉकेट 8 मई को धरती से टकरा सकता है। चीन का यह एक 21 टन वजनी विशालकाय रॉकेट अंतरिक्ष में अनियंत्रित हो गया है और यह अब पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीनी रॉकेट पृथ्वी पर अगर किसी आबादी वाले इलाके पर गिरेगा तो भारी तबाही हो सकती है।

आशंका जताई जा रही है कि इस रॉकेट का मलबा न्यूयॉर्क, मैड्रिड और पेइचिंग जैसे शहरों में कहीं भी गिर सकता है। पृथ्वी के चक्कर लगाने वाले ऑब्जेक्टों की निगरानी करने वाले खगोलविद जोनाथन मैकडोवेल ने कहा कि अभी इस सैटलाइट का रास्ता न्यूयॉर्क, मैड्रिड, पेइचिंग से उत्तर की ओर और दक्षिण में चिली तथा न्यूजीलैंड की ओर समझ में आता है। उन्होंने कहा इस दायरे में यह चीनी रॉकेट कहीं भी टकरा सकता है। यह समुद्र या आम जनसंख्या वाले इलाके में गिर सकता है।

हालांकि उन्होंने कहा धरती के नजदीक आने पर इस चीनी रॉकेट का काफी हिस्सा जलकर राख हो जाएगा। सैटलाइट ट्रैकर ने पता लगाया है कि 100 फुट लंबा चीनी रॉकेट 4 मील प्रति सेकंड की रफ्तार से धरती की ओर बढ़ रहा है। चीन ने गुरुवार को इस रॉकेट की मदद से अंतरिक्ष में बनाए जाने वाले अपने स्पेस स्टेशन का पहला हिस्सा भेजा था। इस मॉड्यूल का नाम तियान्हे रखा गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक 21 टन वजनी यह ऑब्जेक्ट चीन के लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट का मुख्य चरण है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को लॉन्च कए जाने के बाद यह रॉकेट समुद्र में पहले से निर्धारित जगह पर गिरने की बजाय धरती का चक्कर लगाने लगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी रॉकेट का विशाल हिस्सा काफी कुछ पृथ्वी के वातावरण में जल जाएगा, लेकिन इसका मलबा धरती पर कहीं भी गिर सकता है। ऐसा पहली बार नहीं है जब चीन का रॉकेट अंतरिक्ष में अनियंत्रित हुआ है। इससे पहले मई 2020 में लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट का मुख्य हिस्सा अनियंत्रित हो गया था और अटलांटिक महासागर में उसका मलबा गिरा था। नासा ने चीनी रॉकेट के इस हादसे को वास्तविक रूप से खतरनाक बताया था। गिरने से पहले यह रॉकेट अमेरिका के लॉस एंजिलिस और न्यूयॉर्क शहर के ऊपर से गुजरा था।

सिंगापुर में 5 से ज्यादा लोगों के जुटने पर रोक

सिंगापुर, (एजेंसी)। कोरोना वायरस की पहली लहर पर सख्त लॉकडाउन के जरिए काबू पाने वाले सिंगापुर में अब दूसरी लहर का खतरा मंडरा रहा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, एक लोकल हॉस्पिटल से संक्रमण फैला। यह भी अहम है कि ये लोकल और नया वैरिएंट है। इसके 64 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से एक वैरिएंट वो भी है जो इन दिनों भारत में पाया जा रहा है और जो ज्यादा तेजी से फैलता है। नए मामले सामने आने के बाद एडमिनिस्ट्रेशन ने सख्त कदम उठाना शुरू कर दिए हैं। बॉर्डर पर सख्ती बढ़ाई गई है। इसके अलावा भीड़ रोकने के लिए भी नियम तय कर दिए गए हैं। हेल्थ मिनिस्टर किम योंग के मुताबिक-अगर हालात बिगड़ते हैं तो आंशिक लॉकडाउन लगाया जा सकता है। कई महीने से यहां बहुत कम संक्रमण के मामले सामने आए थे।

बगदाद में एक तेल के कुंए में आग लगने के बाद उठता हुआ धुआं।

अमेरिका में गोताखोरों की खुली किस्मत, हाथ लगा 11 हजार साल पुराना अनमोल खजाना

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका फ्लोरिडा राज्य के दो गोताखोरों को 11 हजार साल पुराना एक अनमोल खजाना हाथ लगा है। दरअसल, इन गोतोखोरों को एक मैमथ (प्राचीन हाथी) की चार फुट लंबी और करीब 23 किलो वजन की हड्डी हाथ लगी है। संभावना है कि यह मैमथ की हड्डी हिम युग के समय की रही होगी है। ये गोताखोर एक स्थानीय नदी में उतरे थे। गोताखोरों की पहचान डेरेक डेमेटर और हेनरी सादलेर के रूप में हुई है। डेरेक और हेनरी को पीस नदी के तल में यह मैमथ की हड्डी मिली। हेनरी ने इस हड्डी की तस्वीर को शेयर करते हुए कहा कि ऐसी खोज करने का मौका जीवन में एक बार ही आता है। उन्होंने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि कल मुझे जीवन में एक बार मिलने वाला जीवाश्म हाथ लगा है। यह तस्वीर एक कोलंबियाई मैमथ के पैर की हड्डी की है। यह हड्डी उतना दुर्लभ नहीं है जितना अन्य चीजें हैं लेकिन फिर भी यह एक अविश्वसनीय खोज है।

हेनर ने कहा कि हडडी को बहुत ही कम नुकसान हुआ है और अच्छे से जीवाश्म में बदल गई है। हेनरी के इस तस्वीर को शेयर करते ही उनके फॉलोवर्स के कॉमेंट की बाड़ आ गई। इस अभियान के दौरान गोताखोरों को एक प्राचीन टाइगर के दांत भी मिले। मैमथ आज के हाथी के पूर्वज थे जो पहली बार करीब 10 लाख साल पहले उत्तरी अमेरिका आए थे। आज से करीब 11 हजार साल पहले ये मैमथ विलुप्त हो गए। कोलंबियाई मैमथ अपनी तरह के सबसे बड़े जीव होते थे जो 14 फुट तक ऊंचे होते थे। ये मैमथ 5 कारों के वजन के बराबर होते थे। उनके दांत भी बहुत विशाल होते थे। इसे पहले भी कई मैमथ के जीवाश्म दुनिया के कई हिस्सों में मिल चुके हैं।

अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने भारत की मदद करने वालों की प्रशंसा की

वाशिंगटन, (एजेंसी)। कोविड-19 महामारी के बीच मदद के लिए अमेरिका से आवश्यक जीवनरक्षक चिकित्सकीय सामग्री के साथ चौथा विमान भारत पहुंच गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इस पूरी प्रक्रिया में शामिल लोगों की प्रशंसा करते हुए इसे वीरतापूर्ण प्रयास बताया है। ऑस्टिन ने भारत में अमेरिकी सैन्य विमान की तीन तस्वीरों के साथ ट्वीट किया कि अब तक हमने 10 लाख रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट, 545 ऑक्सीजन सांद्रक, 1,600,300 एन95 मास्क, 457 ऑक्सीजन सिलेंडर, 440 रेगुलेटर, 220 पल्स ऑक्सीमीटर और एक डिप्लॉयबल ऑक्सीजन सांद्रक प्रणाली के साथ चार विमान भारत भेजे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों का यह वीरतापूर्ण प्रयास है। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने पत्रकारों को बताया कि यह हमारे मित्र भारत की मदद के लिए किए जा रहे सरकारी प्रयासों का एक हिस्सा है। इस बीच यूएस इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स (यूएसआईसीओसी) फाउंडेशन ने 32 पोर्टेबल वेंटिलेटर की खेप भेजी। फाउंडेशन अगले कुछ दिनों में कई ऑक्सीजन सांद्रकों के अलावा 25 वेंटिलेटर की तीसरी खेप भी भेजेगा। यूएस इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स ऑफ डल्लास-फोर्ट वर्थ और इंडो-अमेरिका चैम्बर ऑफ ग्रेटर ह्यूस्टन (आईएसीसीजीएच) ने समूचे टेक्सास के भारतीय मूल के अमेरिकी लोगों के सामूहिक प्रयास के लिए एकसाथ हाथ मिलाया है।

आईएसीसीजीएच के कार्यकारी-संस्थापक निदेशक जगदीप अहलुवालिया ने समुदाय के संगठनों और कारोबारियों को इस प्रयास का श्रेय दिया। आईएसीसीजीएच अध्यक्ष तरुश आनंद ने कहा कि भारत में जो कुछ भी हो रहा है वह हृदयविदारक है। यह देखना उत्साहजनक है कि भारतीय अमेरिकी समुदाय भारत के लोगों की मदद के लिए एकजुट हुआ है। कई लोगों ने निजी तौर पर और कई संगठनों ने दान देकर इस प्रयास का समर्थन किया है। ह्यूस्टन के उद्यमी और दाउदी बोहरा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले अबीजर तैयबजी ने एक लाख डॉलर की राशि दान में दी है। अमेरिका के तीन वरिष्ठ सीनेटरों ने बाइडन प्रशासन से कोविड-19 के खिलाफ भारत की मदद बढ़ाने का अनुरोध किया है। सीनेटर मार्क वार्नर, जॉन कॉर्निन और रोन पोर्टमैन ने विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन को पत्र लिखकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की कोवैक्स योजना में योगदान बढ़ाने का अनुरोध किया है और अमेरिका बची हुई अतिरिक्त टीके की खुराक कैसे वितरित कर सकता है, इस पर विस्तृत रणनीति तैयार करने को कहा है।

एक साल तक जिंदा रहने के लिए महिला ने खाया काई और घास

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में कैम्पिंग करते समय गायब हुई 47 साल की महिला को आखिरकार एक साल बाद मिली है।महिला को उटाह के नेशनल फारेस्ट के सुनसान इलाके में ड्रोन की मदद से खोजा गया। जिसके बाद मौके पर पहुंचे बचाव दल ने महिला को सुरक्षित निकाला।महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

इस महिला ने बिना किसी संसाधन के काई और घास खाकर खुद को जीवित रखा। हालांकि, पुलिस ने इस महिला की पहचान को सार्वजनिक नहीं किया है। पुलिस ने बताया कि यह महिला अपने शरीर का काफी वजन खो चुकी है। जिसके कारण वह कई तरह की शारीरिक परेशानियों से जूझ रही थी। पुलिस ने दावा किया कि यह महिला मानसिक रूप से बीमार है।

अधिकारियों ने बताया कि यह महिला पिछले साल खुद की मर्जी से डायमंड फोर्क कैनियन में कैम्पिंग करने गई थी। यह इलाका सुनसान और काफी खतरनाक है। दावा किया जा रहा है कि यह महिला लौटते समय रास्ता भटककर इस बीहड़ के और अंदर चली गई थी। जब कार ने साथ छोड़ दिया, तब उसने खुद ही पैदल रास्ता तय करने का फैसला किया। शुरूआत के कुछ दिन महिला ने अपने साथ लाए पानी और खाने से गुजार लिए। लेकिन, जब उसके पास जरूरत की सभी चीजें खत्म हो गई तो वह ढूंढते-ढूंढते पानी के एक स्रोत के पास पहुंच गई। यहीं पर इस महिला ने काई और घास खाकर कई महीने गुजार दिए। हालांकि, इस दौरान उसकी सेहत काफी गिर गई।

जाधव मामले में पाक कोर्ट ने कानूनी कार्यवाही में भारत से सहयोग को कहा

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। कुलभूषण जाधव की मौत की सजा के मामले की सुनवाई कर रही पाकिस्तानी की एक शीर्ष अदालत ने भारत से मामले में कानूनी कार्यवाही में सहयोग करने की बात कही है। इसके साथ ही उसने कहा कि अदालत में पेश होने का मतलब संप्रभुत्ता में छूट नहीं है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने बुधवार को पाकिस्तान के कानून एवं न्याय मंत्रालय की याचिका पर सुनवाई शुरू की जिसमें जाधव के लिए वकील नियुक्त करने की मांग की गई है।

अटॉर्नी जनरल खालिद जावेद खान ने पीठ को बताया कि अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत (आईसीजे) के फैसले का पालन करने के लिए पाकिस्तान ने पिछले साल सीजे (समीक्षा एवं पुनर्विचार) अध्यादेश 2020 लागू किया ताकि जाधव वैधानिक उपाय पा सकें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार जानबूझ कर अदालत की सुनवाई में शामिल नहीं हुई और पाकिस्तान की एक अदालत के समक्ष मुकदमे पर आपत्ति जता रही है तथा उसने आईएचसी की सुनवाई के लिए वकील नियुक्त करने से भी इनकार करते हुए कहा कि यह संप्रभु अधिकारों का आत्मसमर्पण करने के समान है। मामले की सुनवाई 15 जून तक के लिए स्थगित कर दी गई है। गौरतलब है कि भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी जाधव (51) को पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने जासूसी और आतंकवादी गतिविधियों के आरोपों में अप्रैल 2017 में मौत की सजा सुनाई थी।

जेरुसलम में एक फिलिस्तीनी महिला और एक इजरायली पुलिसकर्मी आपस में भिड़ गये।

मंगल पर मलबे से ढके ग्लेशियर की खोज का दावा

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। मंगल ग्रह के एक लैंडिंग साइट के नजदीक कनाडा के वैज्ञानिकों ने लावा के मलबे से ढके ग्लेशियर की खोज करने का दावा किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगल पर मिला यह ग्लेशियर अंटार्कटिका में बर्फ की सतह के भीतर पाई जाने वाली हिमनद धाराओं के समान है। इस जगह की खोज मंगल के अर्कांडिया प्लैनिटिया नाम के लावा से बने मैदान में की गई है। जानकारी के अनुसार, वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इस सतह के नीचे ग्लेशियर पाया जाता है तो इसे आजतक की सबसे बड़ी कामयाबी माना जाएगा। इससे धरती से मंगल पर अंतरिक्षयात्रियों को भेजने की कोशिशों को भी रफ्तार मिलेगी। हालांकि, यह ग्लेशियर ऐसा नहीं होगा जिससे इंसानों की प्यास खत्म हो सके। अभी यह पता करना बाकी है कि मंगल के सतह के अंदर यह ग्लेशियर कितनी मात्रा में उपलब्ध है।यह स्थान स्पेसएक्स और नासा के लिए पहले से ही पेचीदा था क्योंकि इस जगह पर एक बड़ा और समतल मैदान है। इसे किसी भी अंतरिक्ष यान की लैंडिंग के लिए आदर्श माना जाता है। अगर इस मैदान के सतह के नीचे कम गहराई पर बर्फ मिलती है तो इससे अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ आसानी से पानी का स्रोत लग सकता है।

इस खोज से उत्साहित वैज्ञानिक अब आगे की खोज को लेकर तैयारियों में जुटे हुए हैं। कनाडा में यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ओन्टेरियो में डॉक्टरेट के छात्र शैनन हिब्बार्ड ने कहा कि नए फ्लो जैसी दिखने वाली विशेषताएं अजीब हैं क्योंकि वे समतल भूभाग पर होती हैं। हिबर्ड ने कहा कि इस बात के बहुत सारे सबूत हैं कि यह एक बर्फ से समृद्ध क्षेत्र है, लेकिन हमारे पास कोई स्थलीय सबूत नहीं हैं। यह ग्लेशियर एक समतल मैदान में पाया गया है, इसलिए यह आसानी से हजम होने वाली बात नहीं है। अर्कांडिया प्लैनिटिया मंगल के उत्तरी क्षेत्र में स्थित है। पिछले 3 अरब वर्षों में, इस क्षेत्र में सक्रिय लावा का प्रवाह धीमा हो गया है। यह क्षेत्र मंगल के अन्य हिस्सों की अपेक्षा ज्यादा विविधता पाई जाती है। पानी हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के अणुओं से मिलकर बना होता है, इसलिए हाइड्रोजन वाली सतह के नीचे बर्फ की उपस्थिति की संभावना जताई गई है।पिछले कई साल से इस क्षेत्र को लेकर एकत्रित किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र की जमीन में हाइड्रोजन बड़ी मात्रा में उपस्थित है।

दिल्ली हाईकोर्ट की अस्पतालों को हिदायत, ऑक्सीजन की कमी के बारे में झूठे चेतावनी संदेश न दें

(आनंद राय)

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा ऑक्सीजन की कमी के बारे में झूठे चेतावनी संदेश नहीं दिए जाने चाहिए, क्योंकि इससे पहले से ही दबाव झेल रहे सरकारी तंत्र पर अनावश्यक रूप से बोझ और बढ़ जाता है. इसके साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने दिशा-निर्देश तय किए कि कब इस तरह के एसओएस (त्राहिमाम संदेश) जारी किए जाएंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जब अस्पताल के पास छह घंटे या उससे कम समय की ऑक्सीजन बाकी हो, तो उसे पहले अपने आपूर्तिकर्ता से संपर्क करना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो अस्पताल को नोडल अधिकारी को सूचना देनी चाहिए. इसके बाद भी आपूर्ति प्राप्त नहीं होने और केवल तीन घंटे की ऑक्सीजन बची होने की सूरत में वे न्याय मित्र एवं वरिष्ठ वकील राजशेखर राव या वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा या दिल्ली सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील सत्यकाम से संपर्क कर सकते हैं.

पीठ ने कही ये बात- न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ ने कहा, इससे पहले भी हमने पाया है कि झूठे चेतावनी संदेश जारी नहीं किए जाने चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पहले से दबाव झेल रहे सरकारी तंत्र पर अनावश्यक बोझ पड़ता है. बहरहाल, दिल्ली में कोरोना के हालात, ऑक्सीजन और बेड की कमी पर एक बार फिर हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार पर नाराजगी जाहिर करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है.

केंद्र सरकार को हाईकोर्ट ने यह बताने का निर्देश दिया है कि हाईकोर्ट के 1 मई के आदेश का पालन क्यों नही किया गया और उनके खिलाफ अवमानना की मामला क्यों नहीं चलाया जाए. यही नहीं, हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार के दो बड़े अफसर पीयूष गोयल और सुमिता डावरा को हाईकोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है.

इसके अलावा सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि 30 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिल्ली को 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन देने का निर्देश दिया था, 490 नहीं. फिर ये दिल्ली को नहीं दिया गया. आपको बता दें कि 1 मई को दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया था कि किसी भी सूरत में 1 मई को ही 490 मीट्रिक टन ऑक्सीजन दिल्ली को दिया जाए. हाईकोर्ट ने कहा था कि लोग ऑक्सीजन के लिए रो रहे हैं. अस्पतालों में ऑक्सीजन नहीं है. इस बाबत दिल्ली को 490 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है और उसे पूरा करे केंद्र सरकार.

वाट्सएप और फेसबुक के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली । इंटरनेट मीडिया कंपनी वाट्सएप और फेसबुक की प्राइवेसी पालिसी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। इस पर मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने केंद्र, वाट्सएप और फेसबुक को नोटिस जारी कर 13 मई तक जवाब मांगा है। बता दें कि याचिका में अदालत से अंतरिम आदेश जारी करने की गुहार लगाई थी, क्योंकि वाट्सएप 15 मई से अपनी नई प्राइवेसी पालिसी लागू करने जा रहा है।

इस पर पीठ ने कहा कि ऐसा होने से पहले 13 मई को इस पर सुनवाई होगी। वहीं वाट्सएप की तरफ से अंतरिम तौर पर अदालत को बताया गया कि उनके एप पर दो लोगों के बीच होने वाली बातचीत सुरक्षित है और उसके बाहर आने का कोई खतरा नहीं है।

दिल्ली के विधायक ने सीएम को दी चेतावनी, कहा-अगर वैक्सीनेशन सेंटर नहीं खोलें तो भूख हड़ताल पर बैठूंगा!

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना संक्रमित मरीजों की चेन तोड़ने के लिए वैक्सीनेशन पूरी जोर-शोर से चल रहा है. वहीं, वैक्सीनेशन सेंटर पर स्लॉट लेने के बाद भी लंबी लाइनें लग रही है. जिन विधानसभा में वैक्सीनेशन सेंटर नहीं खोले गये उनके विधायक नाराज हैं. ऐसा ही मामला गांधीनगर विधानसभा का सामने आया है जहां पर एक भी कोरोना वैक्सीन सेंटर नहीं खोला गया है. इसको लेकर विधायक ने दिल्ली सरकार को चेतावनी भी दी है कि अगर वैक्सीनेशन सेंटर नहीं खोला जाता है तो वह भूख हड़ताल पर बैठेंगे.

गांधीनगर से भाजपा विधायक अनिल बाजपेई ने दिल्ली की केजरीवाल सरकार के ऊपर भेदभाव का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में अनजान व्यक्ति भी एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार है. लेकिन अरविंद केजरीवाल द्वारा सिर्फ इसलिए गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र में टीकाकरण केंद्र नहीं खोला गया है क्योंकि यहा भाजपा विधायक है. जबकि इसके ठीक विपरीत बाकी विधानसभाओं में टीकाकरण केंद्र खोले गए हैं.

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल इस राजनीतिक द्वेष के कारण निम्न स्तर की राजनीति कर रहे हैं. क्या गांधीनगर की जनता दिल्ली से बाहर की है अरविंद केजरीवाल आखिर गांधीनगर विधानसभा की जनता के साथ सौतेला व्यवहार क्यों कर रहे हैं बाजपेई ने कहा कि अगर टीकाकरण केंद्र नहीं बनाए गए तो इसके लिए भूख-हड़ताल पर भी बैठूंगा.

बाजपेई ने कहा कि अरविंद केजरीवाल मुझे आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा से जुड़ने की सजा दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि गांधीनगर विधानसभा में कम से कम 6 अलग-अलग जगहों पर टीकाकरण केंद्र खोले जाए. इसके लिए उप-राज्यपाल और शाहदरा डीएम को कई बार पत्र भी लिखा. लेकिन अभी तक इसमें कोई सुनवाई नहीं हुई है. बाजपेई ने कहा कि मैं खुद दिल्ली की पहली पोलोक्लीनिक जो मेरी विधानसभा कान्ति नगर में है और मोहल्ला क्लिनिक व स्कूलों में टीकाकरण केंद्र खोलने की बात कह चुका हूं. लेकिन उस पर आज तक केजरीवाल सरकार ने संज्ञान लेने की जहमत नहीं उठाई. केजरीवाल की इस लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि अफसोस होता है जब केजरीवाल सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के बदले अपने नोडल ऑफिसर की धमकियों से डरा रही है. आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया खुलेआम अस्पतालों को ऑक्सीजन की कमी होने के बाद शिकायत करने पर कार्रवाई की बात करते हैं.

नोएडा में कोरोना संक्रमित 80 प्रतिशत मरीजों की हार्ट अटैक से मौत

नोएडा । कोरोना वायरस फेफड़ों के अलावा सांस और दिल पर भी हमला कर रहा है। जिले में मंगलवार तक 261 कोरोना संक्रमितों की मौत हो चुकी है। इनमें से 80 फीसदी से अधिक ने हार्ट अटैक से दम तोड़ा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि जिले में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। पिछले दस दिनों में मरने वालों की संख्या भी तेजी से बड़ी है।

मरने वालों की रिपोर्ट के आंकलन में सामने आया है कि सभी को सांस लेने में गंभीर परेशानी हुई। उन्हें निमोनिया भी हुआ। मरीजों को हार्ट में दिक्कत हुई। हार्ट में दिक्कत इसलिए हुई कि मरीज सांस ही नहीं ले पा रहे थे। इससे दिल पर दबाव तेजी से बढ़ता चला गया। इसके बाद मरीज को कार्डियक अरेस्ट हुआ और उसने दम तोड़ दिया।

स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने बताया कि मरीजों के शरीर में ऑक्सीजन का स्तर लगातार बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। इसका लाभ यह होगा कि मरीज के दिल, दिमाग और शरीर के अन्य अंग भी बेहतर होंगे।

ऑक्सीजन घटी तो थमी दिल की रफ्तार : कोरोना फेफड़ों को कमजोर कर शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति लगातार कम कर रहा है। सेक्टर 39 स्थित कोविड अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रेणू अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल में मरीजों की मौत का विश्लेषण किया है। अधिकांश में हार्ट अटैक होना सामने आया है।

इसके पीछे वजह भी सामने आई है कि ऑक्सीजन की कमी के कारण दिल पर अधिक दबाव बढ़ता चला गया। मरीज को उपचार देकर काफी कोशिश की, लेकिन धमनियों में पर्याप्त ऑक्सीजन न पहुंचने के कारण काफी मरीजों को हार्ट अटैक हुआ और मौत हो गई।

संक्षिप्त खबर

कोविड-19 रिपोर्ट आने तक घर पर नहीं रहने वालों के खिलाफ दर्ज होगा केस

गुरुग्राम । कोविड-19 जांच के लिए नमूने देने के बाद घर पर क्वारंटाइन रहने के बजाय बाहर घूमने वालों पर अब कार्रवाई होगी। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ महामारी अधिनियम 1897 व आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। गुरुग्राम जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम के लिए जिला उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने नियम तोड़ने वालों से सख्ती से पेश आने के निर्देश दिए हैं।

उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने कहा कि जो व्यक्ति कोविड-19 संबंधित लक्षण दिखाई देने पर अपनी जांच करवाने के लिए नमूने दे रहे हैं, वह जांच रिपोर्ट आने तक अपने घर में सेल्फ आइसोलेशन में रहें। उपायुक्त ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में जरूरी है कि आमजन कोरोना संक्रमण की रोकथाम में जिला प्रशासन का सहयोग करे और लॉकडाउन नियमों का गंभीरता से पालन करे। उन्होनें कहा कि वर्तमान में 4-टी मंत्र यानी टेस्टिंग, ट्रेकिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट का विशेष ध्यान रखा जाना अत्यंत आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग उन लोगों के लगातार संपर्क में है जो कोरोना संक्रमित होने के बाद होम आइसोलेशन में रह रहे हैं। ऐसे मरीजों की काउंसलिंग की जा रही है और उन्हें सामान्य गाइड लाइन के बारे में बताया जा रहा है। उन्होंनें कहा कि लोगों को मास्क पहनने, सोशल डिस्टेसिंग के नियमों का पालन करने, और टीकाकरण के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई भी व्यक्ति जांच कराने के बाद रिपोर्ट आने तक धर से बाहर घूमता हुआ पाया गया, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चार दिन में बिना मास्क वाले 1339 लोगों के चालान- उपायुक्त ने बताया कि मास्क पहनना और लॉकडाउन का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि बीते चार दिन में जिले में मास्क न पहनने वाले 1339 लोगों का पुलिस की ओर से चालान किया गया है। शनिवार 1 मई को 357, रविवार को 251, सोमवार को 290 और मंगलवार 4 मई को 441 लोगों का मास्क न पहनने पर चालान किया गया। इसी प्रकार, लॉकडाउन नियमों का पालन नही करने वालों से भी जिला प्रशासन सख्ती से निपट रहा है। जिले में 1 मई को 25, रविवार 2 मई को 1, सोमवार 3 मई को 2 और मंगलवार 4 मई को 20 लोगों पर लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस द्वारा मामला दर्ज किया गया है।

तीन हजार नमूनों की सरकारी लैब में लंबित है रिपोर्ट- कोरोना जांच के लिए जिले में रोजाना औसतन 10 हजार से यादा लोगों के नमूने लिए जा रहे हैं। लैब को 24 से 36 घंटे में जांच रिपोर्ट देने के निर्देश हैं, लेकिन लोगों को चार से पांच दिनों में भी रिपोर्ट मुश्किल से मिल पा रही है। इसी के चलते लोग रिपोर्ट लेने के लिए केंद्रों पर चक्कर लगा रहे हैं। सरकारी लैब में ही अभी तक जिले के 3 हजार से यादा लोगों की जांच रिपोर्ट लंबित है। इसके अलावा लगभग इतने ही नमूनों की रिपोर्ट निजी लैब में भी लंबित पड़ी है।

कोरोना के कारण यमुना प्राधिकरण ने भूखंडों का ड्रॉ टाला, 25 हजार आवेदकों के पैसे फंसे

ग्रेटर नोएडा । यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की आवासीय और औद्योगिक भूखंड की योजना में आवेदन करने वाले करीब 25 हजार लोगों के लाखों रुपये अनिश्चितकाल के लिए फंस गए हैं। कोरोना महामारी के चलते यमुना प्राधिकरण ने भूखंडों का ड्रॉ टाल दिया है। ड्रॉ कब कराया जाएगा, इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी। आवेदन करने वालों ने भूखंड की कुल कीमत का 10 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन मनी के रूप में प्राधिकरण में जमा किया है। बहुत आवेदकों ने रजिस्ट्रेशन मनी भी फाइनेंस कराई है। अब ऐसे आवेदकों को अधिक ब्याज देना पड़ेगा। यमुना प्राधिकरण ने 24 फरवरी को औद्योगिक भूखंड योजना निकाली थी। इस योजना में 367 भूखंड हैं। इसमें टॉय सिटी में 24, हैंडिक्राफ्ट पार्क में 47 और सामान्य/एमएसएमई पार्क में 296 भूखंड शामिल हैं। इसमें 450 वर्गमीटर से लेकर 3000 वर्गमीटर तक के भूखंड शामिल हैं। सरकार के निवेश पोर्टल के जरिये योजना में आवेदन की सुविधा दी गई थी। इस योजना में 4,450 आवेदन आए हैं। पहले इसका ड्रॉ 15 अप्रैल को करना था। इसकी तिथि बढ़ाकर 26 अप्रैल की गई, लेकिन कोरोना महामारी लगातार अपने पैर पसार रही है। इसके चलते प्राधिकरण ने ड्रॉ को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया है। आवेदन करने वालों ने भूखंड की कीमत का 10 प्रतिशत पैसा रजिस्ट्रेशन मनी के रूप में किया है।

यमुना प्राधिकरण के ओएसडी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करके बताया कि औद्योगिक व आवासीय योजनाओं का ड्रॉ कोरोना महामारी के चलते अभी टाल दिया गया है। हालात सामान्य होने पर ड्रॉ निकाला जाएगा।

पांच मई को तय किया गया था ड्रॉ- यमुना प्राधिकरण ने मार्च में 440 आवासीय भूखंडों की योजना निकाली थी। इस योजना में 60 वर्ग मीटर, 90, 120, 200, 300, 500, 1000, 2000 और 4000 वर्ग मीटर के भूखंड हैं। जेवर एयरपोर्ट के नजदीक होने से इन भूखंडों को लेने के लिए लोग आए। इस योजना में 19239 लोगों ने आवेदन किया है। प्राधिकरण ने इन भूखंडों का ड्रॉ करने के लिए पांच मई की तारीख तय की थी, लेकिन कोरोना महामारी ने इस डॉ को टाल दिया है। हालात सामान्य होने पर डॉ निकाला जाएगा।

बैंक से फाइनेंस कराने वालों को दिक्कत- औद्योगिक और आवासीय भूखंडों में आवेदन करने वाले बहुत आवेदकों ने रजिस्ट्रेशन मनी को बैंक से फाइनेंस कराया है। ऐसे आवेदकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अब उन्हें अधिक ब्याज देना पड़ेगा। आवेदकों ने ड्रॉ की तिथि के हिसाब से बैंक से फाइनेंस कराया था और उतने दिनों का ब्याज दिया था, लेकिन अब अधिक समय तक लोगों को ब्याज चुकाना होगा। नियमों के अनुसार, डॉ प्रक्रिया पूरी होने के बाद असफल आवेदकों का पैसा प्राधिकरण वापस कर देता है।

बंद पड़े 150 बेड के निजी अस्पताल को नहीं खोलने के तर्क से हाईकोर्ट हैरान, कहा- लीक से हटकर सोचे आप सरकार

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने दिवालिया प्रक्रिया की वजह से बंद 150 बेड्स वाले मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का इस्तेमाल नहीं करने के दिल्ली सरकार के तर्क पर गुरुवार को सवाल उठाया, जबकि इस अस्पताल की स्थापना करने वाले डॉक्टर ने इसके लिए अपनी मेडिकल टीम भेजने की पेशकश भी की है।

हाईकोर्ट ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के मद्देनजर दिल्ली सरकार से लीक से हटकर सोचने के लिए कहा। अदालत ने कहा कि हम सामान्य परिस्थिति में नहीं हैं और राजधानी में मरीजों के लिए अस्पतालों में बेड्स की कमी है।

चीफ जस्टिस डी.एन. पटेल और जस्टिस जसमीत सिंह की बेंच ने दिल्ली सरकार से कहा कि 150 बेड्स उपलब्ध हैं। हम हर जगह बेड्स ढूंढने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हम हर दिन इसके लिए लड़ रहे हैं और आप कह रहे हैं कि इस अस्पताल का इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमें इसका तर्क समझ नहीं आ रहा है।

कोर्ट ने कहा कि पानी सिर से ऊपर जा चुका है। वह (याचिकाकर्ता डॉक्टर) अपना अस्पताल खोलने की पेशकश कर रहे हैं, वह अपनी मेडिकल टीम लाने के लिए तैयार हैं, आपको और क्या चाहिए?

दिल्ली सरकार के स्थायी वकील संतोष के त्रिपाठी ने कहा कि अस्पताल अभी चालू नहीं है और सरकार के पास किसी निजी अस्पताल का संचालन अपने हाथ में लेने के लिए कोई नीति नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हम सामान्य परिस्थिति में नहीं हैं। आपको लीक से हटकर सोचना होगा। आप 150 बेड्स वाले अस्पताल को ऐसे कैसे जाने दे सकते हैं? आपको कोई पैसा खर्च नहीं करना। वह डॉक्टरों की अपनी टीम ला रहे हैं। उन पर कोई भी शर्त लगाइए। अदालत ने दिल्ली सरकार को 12 मई को सुनवाई की अगली तारीख पर जवाब देने का निर्देश दिया है।

अदालत ने कहा कि जवाब में उन शर्तों का उल्लेख होना चाहिए जिन्हें अस्पताल चलाने के संबंध में याचिकाकर्ता पर लगाने की जरूरत है। हाईकोर्ट डॉ. राकेश सक्सेना की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें महामारी के दौर में राजधानी में कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए फेब्रिस मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल चलाने की अनुमति मांगी गई। उन्होंने कहा कि केंद्र या दिल्ली सरकार 2019 से बंद अस्पताल का संचालन अपने हाथ में ले सकती हैं और कोविड-19 मरीजों के लिए वहां की सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकती हैं। याचिका में उन्होंने अदालत से आपात स्थिति को देखते हुए अस्पताल को फिर से लाइसेंस दिए जाने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया।

होम आइसोलेशन के मरीजों को राहत, ऑक्सीजन के लिए इस पोर्टल पर करें आवेदन

नई दिल्ली । कोरोना संक्रमण के बीच केजरीवाल सरकार ने होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों को बड़ी राहत दी है. दिल्ली सरकार ने कहा है कि होम आइसोलेशन में रह रहे और ऑक्सीजन की आवश्यकता वाले सभी लोग http://delhi.gov.in पर एक वैध फोटो पहचान पत्र, आधार कार्ड के विवरण और COVID पॉजिटिव रिपोर्ट के साथ आवेदन कर सकते हैं.

नई दिल्ली में कोरोना मरीजों की हालत में धीरे-धीरे सुधार दिख रहा है. राज्य में संक्रमित मरीजों की संख्या पहले से कम रिकॉर्ड की जा रही है. लॉकडाउन के बीच पॉजिटिविटी रेट में भी गिरावट है. बुधवार को पिछले 24 घंटे में 20, 960 नए मामले रिकॉर्ड किए गए. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, रिकवर करने वालों की संख्या भी 19,209 रिकॉर्ड की गई. पॉजिटिविटी रेट बुधवार को 26.37 रिकॉर्ड किया गया जबकि मंगलवार को पॉजिटिविटी रेट 26.73 रिकॉर्ड किया गया था.

धीरे-धीरे मौतें भी हो रहीं कम

कोरोना से होने वाली मौतों में भी मंगलवार के मुकाबले बुधवार को कमी दर्ज की गई. मंगलवार को जहां 338 लोगों की मौत हुई थी. वहीं बुधवार को यह आंकड़ा 311 दर्ज किया गया. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अब संक्रमित मरीजों की संख्या में गिरावट आ रही है और मौतों की संख्या भी कुछ कम होने लगी है.

एक्टिव मरीजों की संख्या 91,859- दिल्ली सरकार के हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक पिछले 24 घंटे में रिकवरी रेट भी अच्छा दर्ज किया गया है. दिल्ली में एक्टिव मरीजों की संख्या 91,859 हो गई है. वहीं, कोरोना से होने वाली मौतों की कुल संख्या 18,063 तक पहुंच गई है. इसके चलते दिल्ली में मृत्यु दर 1.44त्न हो गई है.

अब तक रिकवर्ड हो चुके हैं 11,43,980 मरीज- पॉजिटिविटी रेट की बात करें तो यह दिल्ली में 7.16 फीसद है. अब तक समग्र पॉजिटिव केस की बात करें तो यह 12,53,902 को पार कर गया है. वहीं रिकवर्ड करने वालों की संख्या भी 11 लाख 43 हजार 980 हो चुकी है. बड़ी संख्या में मरीजों का इलाज हो रहा है.

इस्तेमाल हुए सर्जिकल दस्ताने धोकर बेचने वाले गैंग का खुलासा, 3 गिरफ्तार, थोक की दुकानों पर करते थे सप्लाई

लोनी गाजियाबाद । गाजियाबाद पुलिस ने ट्रॉनिका सिटी की एक फैक्ट्री में छापा मारकर काफी संख्या में इस्तेमाल हुए सर्जिकल दस्ताने बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी की तलाश की जा रही है। आरोपी इस्तेमाल किए गए दस्ताने धोकर दोबारा बाजार में सप्लाई कर थे।

ट्रॉनिका सिटी थाना प्रभारी उमेश पंवार ने बताया कि ट्रॉनिका सिटी की एक फैक्ट्री में अस्पतालों में उपयोग किए जा चुके पुराने सर्जिकल दस्तानों को धोकर दोबारा पैक कर बाजार में बेचने की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस ने मुखबिर से बिक्री किए जा रहे दस्तानों का बॉक्स मंगवाया। इसके बाद जानकारी ली गई कि फैक्ट्री में किस समय काम हो रहा है।

बुधवार सुबह फैक्ट्री में छापा मारा गया। यहां 98 बोरे बिना धुले, 60 बोरे धुले हुए सर्जिकल दस्ताने और आठ सौ पैकिंग बॉक्स बरामद हुए। फैक्ट्री में दो धुलाई मशीनें, एक सुखाने वाली मशीन तथा एक वाशिंग मशीन लगी हुई थी। फैक्ट्री को भजनपुरा दिल्ली निवासी गुड्डू उर्फ जमीर अहमद, अजीम अहमद पुत्र जहीर एवं चावड़ी बाजार दिल्ली निवासी परवेज पुत्र मोहम्मद यूसूफ चला रहे थे। तीनों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया है।

आरोपियों ने बताया कि नए दस्तानों का डिब्बा करीब 600 रुपये का आता है, लेकन वह धुले हुए 100 जोड़ी दस्ताने के डिब्बे को 350 रुपये में दिल्ली के भगीरथ पैलेस में थोक की दुकानों पर बेचते थे। इसके लिए उन्होंने कई दुकानदारों से बात की थी। इसके साथ ही अन्य मार्केट में मांग के अनुसार भी सप्लाई की जाती थी। इनकी पैकिंग इस तरीके से की जाती थी कि कोई भी इनको पहचान नहीं पाता था। आरोपियों ने बताया कि इससे पहले वह काफी संख्या में उपयोग हुए सर्जिकल दस्तानों को धोने के बाद पैक कर सप्लाई कर चुके हैं।

मेडिकल बायोवेस्ट कंपनियों पर नजर- पुलिस के मुताबिक, अस्पतालों से निकलने वाले दस्ताने बायोमेडिकल वेस्ट की श्रेणी में आते हैं। इनको कोई भी अस्पताल खुले में नहीं फेंक सकता। अस्पताल के इस कचरे को बायोमेडिकल वेस्ट कंपनियां ले जाती हैं। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इन्हें कहीं बायोमेडिकल वेस्ट कंपनियों से तो नहीं खरीदा जा रहा था।

मां व बहन की कोरोना से हो चुकी है मौत- परवेज ने बताया कि करीब 15 दिन पहले उसकी मां और बहन की कोरोना से मौत हो चुकी है, लेकिन पैसों के लालच में वह इस काम को नहीं छोड़ रहा था। इस काम में काफी मुनाफा मिल रहा था। कबाड़ियों से यह दस्ताने चंद रुपये में ही खरीद लेते थे, उसके बाद इनसे कई गुना मुनाफा कमाते थे।

व्यापारियों ने कहा हालात ठीक नहीं, एलजी और सीएम को लिखा लेटर, बढ़ाया जाए लॉकडाउन

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना महामारी की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर अभी भी दिल्ली में दुकानें और मार्किट खोलने लायक हालात नहीं बने हैं और दिल्ली में वर्तमान लॉकडाउन को आगे बढ़ाये जाने की बेहद जरूरत है। यह निर्णय आज कंफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा बुलाई गई एक वीडियो मीटिंग में दिल्ली की विभिन्न प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने लिया। जिसको देखते हुए कैट ने बृहस्पतिवार को एक बार फिर दिल्ली के उपरायपाल अनिल बैजल एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को एक पत्र भेजकर वर्तमान लॉकडाउन को 17 मई तक आगे बढ़ाने का आग्रह किया है।

दिल्ली में वर्तमान में जारी लॉकडाउन 10 मई को समाप्त हो रहा है। दिल्ली के सभी भागों के प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने मीटिंग में यह भी कहा कि दिल्ली में कोरोना को लेकर हालात ठीक नहीं है और इस लिए 10 मई से आगे एक सप्ताह अर्थात 17 मई तक दिल्ली के प्रमुख व्यापारी संगठन अपने बाज़ारों में स्वैच्छिक स्वयं लॉकडाउन करेंगे। मीटिंग में दिल्ली के 100 से अधिक व्यापारी संगठनों के व्यापारी नेता मौजूद थे जिन्होंने स्पष्ट रूप से कहा

कि किसी भी सूरत में हम दिल्ली के व्यापारियों को कोरोना की आग में जलते रहने के लिए नहीं छोड़ सकते, इसलिए या तो सरकार द्वारा लॉकडाउन को एक सपताह के लिए आगे बढ़ाया जाए अथवा व्यापारियों द्वारा स्वैच्छिक लॉकडाउन किया जाना ही वर्तमान में एक मात्र विकल्प है।

मीटिंग में यह भी कहा गया कि दिल्ली में लॉकडाउन का सख्ती से पालन नहीं हो रहा हैम केवल दुकाने बंद है जबकि आने जाने पर कोई रोक टोक नहीं है। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए दिल्ली में सम्पूर्ण लॉकडाउन सख्ती के साथ लगाया जाना जरूरी है।

सरकार के दावे से इतर इलाज के लिए तड़प रहे हैं लोग- कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि सरकार और विभिन्न सरकारी एजेंसियां कुछ भी दावा करें लेकिन सचाई यह है कि लोग आवश्यक चिकित्सा सुविधा पाने के लिए बिलख रहे हैं, अस्पतालों में अभी भी कोई बेड मिल नहीं रहा है। दवाइयों की मारामारी है। ऑक्सीजन की किल्लत है। मरीज़ों को लाने ले जाने के लिए एम्बुलेंस या तो उपलब्ध ही नहीं है या फिर एम्बुलेंस सेवाएं अनाप-शनाप पैसे मांग रही हैं। दिल्ली सरकार ने एक भी ऐसा अधिकारी नियुक्त नहीं किया है जिसे फोन करके लोग अपनी चिकित्सा आवश्यकताओं के बारे में सही जानकारी प्राप्त कर सकें। ऐसा साफ़ दिखाई पड़ता है कि दिल्ली के लोगों को राम भरोसे छोड़ दिया गया है।

सोशल मीडिया पर रेमडेसिवीर व ऑक्सीजन के नाम पर हो रही ठगी, रहें सतर्क

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में जहां लोग रेमडेसिवीर व ऑक्सीजन सिलेंडर की किल्लत से परेशान हैं, वहीं ऐसे लोगों से ठगी करने वाला एक गिरोह सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गया है। इस गिरोह के बदमाश जरूरतमंत लोगों को रेमडेसिवीर इंजेक्शन व ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचाने के नाम ठगी कर रहे हैं। ऑनलाइन अग्रिम भुगतान के बहाने वारदात को अंजाम दे रहे हैं। यमुनापार में अलग-अलग जगहों पर इस गिरोह के बदमाशों ने पांच लोगों को निशाना बनाया है। पुलिस पांचों मामलों में केस दर्ज कर जांच कर रही है।

पहला मामला- शाहदरा के आनंद विहार स्थित शांति विहार इलाके में 49 वर्षीय अमित परिवार के साथ रहते हैं। उनकी तबीयत खराब चल रही है। उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत थी। उन्होंने काफी प्रयास किया, मगर उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं मिल रहा था। इस दौरान उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप पर ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने वाला नंबर मिला। उन्होंने संपर्क किया तो एक सिलेंडर के लिए साढ़े सात हजार रुपये की मांग की। वह तैयार हो गए। आरोपी ने उनकी डिलिट मांगी और रुपये ट्रांसफर करने को कहा। अमित ने तुरंत उसके खाते से साढ़े सात हजार रुपये भेज दिया। इसके बाद आरोपी उनका नंबर ब्लॉक कर दिया। मंगलवार को आनंद विहार थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

दूसरा मामला- पीड़ित 21 वर्षीय अर्पित जैन परिवार के साथ आनंद विहार के सूरजमल विहार में रहते हैं। उनके चचेरे दादा की कोरोना के चलते तबीयत खराब चल रही है। उनको रेमडेसिवीर इंजेक्शन की जरूरत थी। परिवार के सभी लोगों ने इंजेक्शन का काफी प्रयास किया, मगर नहीं मिल रहा है। अर्पित ने सोशल मीडिया पर सर्च करना शुरू किया। इस दौरान एक इंस्टाग्राम के एक अकाउंट पर रेमडेसिवीर इंजेक्शन उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई थी। अर्पित ने संपर्क किया तो 10.2 हजार रुपये में छह इंजेक्शन देने की बात कहीं। अर्पित ने तुरंत उसके खाते से रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी ने उनका नंबर ब्लॉक कर दिया। बुधवार का आनंद विहार थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

तीसरा मामला- शाहदरा के मानसरोवर पार्क में 26 वर्षीय प्रतिक परिवार के साथ रहते हैं। बीमारी के चलते उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत थी। उन्होंने ऑक्सीजन गैस एजेंसी पर संपर्क किया, मगर सिलेंडर नहीं मिल रहा था। इस दौरान सोशल मीडिया पर प्रशांत कुमार नाम के एक शख्स का नंबर मिला, जो ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने के बारे में लिखा था। प्रतिक ने उसके नंबर पर संपर्क किया तो उसने सिलेंडर के लिए सात हजार रुपये की मांग की। प्रतिक ने तुरंत ही उसके खाते में रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी ने उनका नंबर ब्लॉक कर दिया। प्रतिक की शिकायत पर मंगलवार को मानसरोवार पार्क थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

चौथा मामला- शाहदरा के जगतपुरी में 38 वर्षीय मीरा शर्मा परिवार के साथ रहती हैं। उन्होंने जगतपुरी थाने में एक शिकायत दी है। जिसमें उन्होंने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए एक ऑक्सीजन सिलेंडर वाले से संपर्क किया। इस दौरान उसने बुकिंग के लिए साढ़े सात हजार रुपये की मांग की। उन्होंने उसके बैंक खाते में रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी ऑक्सीजन सिलेंडर भेजने के बजाए साढ़े हजार रुपये की और मांग करने लगा। रुपये भी लौटाने से मना कर दिया। इसके बाद उनका नंबर ब्लॉक कर दिया। मीरा की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पांचवा मामला- पीड़िता 30 वर्षीय ज्योति शर्मा परिवार के साथ खजूरी खास इलाके में रहती हैं। ज्योति के अनुसार, उनके माता-पिता की कोरोना संक्रमित थे। उनकी मां की तबीयत अधिक खराब हो रही थी और रेमडेसिवीर इंजेक्शन की जरूरत थी। उन्होंने मेडिकल की दुकानों पर काफी प्रयास किया, मगर रेमडेसिवीर इंजेक्शन नहीं मिल रहा था। इस दौरान उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप पर रेमडेसिवीर उपलब्ध कराने वाले का नंबर मिला। उन्होंने उस नंबर पर संपर्क किया तो उसने मरीज की डिलिट मांगी और सीधे अस्पताल में इंजेक्शन पहुंचाने की बात कही। इस दौरान उसने इंजेक्शन के लिए 15 हजार रुपये अग्रिम भुगतान करने को कहा और अपना खाता नंबर दिया। ज्योति ने तुरंत उसके खाते में रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी ने अपना नंबर बंद कर लिया। ज्योति की शिकायत पर मंगलवार को खजूरी खास थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

यहां तुरंत शिकायत करें- अगर आप के साथ ऑक्सीजन, दवाई, अस्पताल में बेड व रेमडेसिवीर के नाम पर ठगी हो रही है, तो इसकी तुरंत शिकायत करें। ट्रांसफर रुपये को रोकने के लिए तुरंत 155260 या फिर cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें। इसके साथ ही 01123469900 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं।

संपादकीय

इलाज के मोर्चे पर हम कैसे जीतेंगे

भारत में ट्विटर एक हताशा भरी जगह है। बेड, ऑक्सीजन के स्रोत, रेमडेसिविर और प्लाज्मा के लिए अनुरोध से ट्विटर भरा पड़ा है। यहां तक कि वॉलंटियर भी संदेशों का प्रसार कर रहे हैं और मदद के लिए संघर्ष कर रहे हैं। टोसिलिजुमैब और इटोलिजूमैब जैसे कठिन उच्चारण वाले शब्द लोगों की बातचीत और मैसेज में सुनने को मिल रहे हैं और परिवार या दोस्त की देखभाल के लिए आवश्यक चीजें जुटाने में असमर्थ होने की वजह से लोग निराशा और अपराधबोध से ग्रस्त हो रहे हैं। हम एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साथ संघर्ष कर रहे हैं, जो बेहतर हालात में भी पहुंच और गुणवत्ता के लिहाज से असमानता से भरी है। मौसमी बीमारियों में वृद्धि होती है, तो उसके लिए भी अस्पतालों में सीमित क्षमता है। प्रशिक्षित और योग्य स्टाफ कम हैं, खासकर संक्रामक रोगों और गंभीर रोगियों की देखभाल के संदर्भ में, और स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था अस्त-व्यस्त है। किसी भी समय, और खासकर अभी की स्थिति में साक्ष्य-आधारित चिकित्सा, या 'सही समय पर सही मरीज की सही देखभाल' जरूरी है। भारतीय चिकित्सा समुदाय और स्वास्थ्य निति निर्माताओं के रूप में हमने इस महामारी के समय अच्छा काम नहीं किया है। चिकित्सा की भारतीय प्रणालियों में सदियों से अर्जित ज्ञान का भी हमने अनादर किया है। हमने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन जैसी दवाओं के मामले में विशेषज्ञों की राय को ताक पर रख दिया, जबकि आंकड़ों से यह बात सामने आ रही थी कि इसने काम नहीं किया है। पिछले हफ्ते राष्ट्रीय कोविड-19 टास्क फोर्स के दिशा-निर्देशों में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन और बुडेसोनाइड के इस्तेमाल को समतुल्य माना गया है और अनुशंसा की गई है कि ये दवाएं 'काम कर सकती हैं'। बुडेसोनाइड का कम से कम ओपन लेवल स्टोइक परीक्षण ने समर्थन किया है और दिखाया है कि इससे अस्पताल में दाखिल होने की जरूरत कम पड़ती है और ठीक होने में कम समय लगता है। साक्ष्य आधारित चिकित्सा के लिए आजीवन सीखने व चिकित्सा बिरादरी तथा मरीजों की निरंतर शिक्षा की जरूरत होती है। एक नई संक्रामक बीमारी के लिए, जहां हमें इस बात की कम जानकारी है कि उसमें नुकसान कैसे होता है और इसे कैसे संभालना है, वैसी हालत में पुरानी और नई दवाओं तथा चिकित्सा प्रबंधन उपायों का परीक्षण करके साक्ष्य पैदा करने पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। महामारी के दौरान शुरू में हम चीन से आने वाली जानकारी पर बहुत अधिक निर्भर थे, जहां यह दिखाई दिया कि हमें तुरंत और गहन वेंटिलेटर की आवश्यकता है, और तब एंटी-वायरल तथा अन्य दवाओं के लिए कई परीक्षणों का समर्थन किया गया था। गहन देखभाल विशेषज्ञों के अनुभवों के माध्यम से अब हम जानते हैं कि कई मरीजों को ऑक्सीजन मास्क, हाई-फ्लो नेजल कैन्यल या नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन की मदद से जहां तक संभव हो सके, वेंटिलेटर से दूर रखा जा सकता है। हालांकि, जब विशिष्ट दवाओं की बात आती है, तो सही मरीज के लिए सही समय पर सही दवा काम करती है और वह दवा साक्ष्यों पर निर्भर होनी चाहिए। और यह भी कि साक्ष्य क्लिनिकल परीक्षणों के माध्यम से निर्मित किए जाएं, न कि लोगों की राय पर निर्भर हों। यह जानने के लिए कि दवाओं की आवश्यकता कब होती है, यह समझना महत्वपूर्ण है कि रोग कैसे पैदा और विकसित होता है। प्रारंभिक चरण में, बीमारी मुख्य रूप से सार्स-कोव-2 की प्रतिकृति द्वारा संचालित होती है। बाद में, खासकर जब संक्रमण नियंत्रित नहीं हो पाता है और लक्षण गंभीर होने लगते हैं, तब यह बीमारी सार्स-कोव-2 के प्रति अनियंत्रित प्रतिरक्षा और उत्तेजक प्रतिक्रिया से संचालित होती प्रतीत होती है, जिसकी परिणति उत्तकों की क्षति के रूप में होती है। सामान्य रूप से इस समझ के आधार पर, बीमारी के दौरान शुरुआती अवस्था में किसी भी एंटीवायरल उपचार का सबसे जल्दी असर होता, जबकि इम्यूनोसप्रेसिव/एंटी-इंफ्लेमेटरी उपचार की जरूरत कोविड-19 के बाद की अवस्थाओं में पड़ती है। बीमारी के प्रारंभिक चरण में बुडेसोनाइड (अस्थमा के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक स्टेरॉयड) और गंभीर बीमारी वाले अस्पताल में भर्ती मरीजों में डेक्सामेथासोन के इस्तेमाल के परीक्षणों के सकारात्मक आंकड़ों से यह प्रतीत होता है कि रोग को बढ़ने से रोकने में स्टेरॉयड महत्वपूर्ण हैं। जहां तक रेमडेसिविर की बात है, तो गंभीर बीमारी पर कोई प्रभाव नहीं दिखा, लेकिन कुछ परीक्षणों में दिखा कि जो मरीज ऑक्सीजन की जरूरत वाली अवस्था में थे और जिन्हें हाई-फ्लो ऑक्सीजन या नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन की जरूरत नहीं थी, रेमडेसिविर ने अवधि कम करने और मृत्यु को रोकने में कुछ फायदा पहुंचाया। इससे यह रेखांकित होता है कि यह दवा सभी मरीजों के लिए नहीं है, बल्कि उपचार के एक विशेष चरण में एक छोटे से वर्ग के लिए है।

इसी तरह टोसिलिजुमैब के लिए भी (स्टेरॉयड सहित अन्य चिकित्साओं के संयोजन के साथ) साक्ष्य-आधारित अनुशंसाएं मरीजों के एक छोटे-से वर्ग तक सीमित हैं, जिनमें बीमारी तेजी से बढ़ रही हो और जिन्हें या तो हाई-फ्लो ऑक्सीजन की आवश्यकता है या नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन की। प्लाज्मा थेरेपी के लिए, जैसा कि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च समर्थित प्लासीड ट्रायल में दिखाया गया है, इसका कोई सबूत नहीं है कि दाताओं के किसी भी समूह से लिया गया प्लाज्मा मददगार साबित हो रहा है। और वर्तमान में इसकी अनुशंसा भी नहीं की जा रही है। स्पष्ट जवाब बड़े क्लिनिकल परीक्षणों से मिलते हैं। भारत की क्लिनिकल ट्रायल रजिस्ट्री में हमारे पास 400 से अधिक पंजीकृत अध्ययन हैं, जिनमें से ज्यादातर छोटे अध्ययन हैं, जो भविष्य की प्रैक्टिस के बारे में जानकारी नहीं प्रदान करेंगे। लोग शिद्दत से उन दवाओं को ढूंढ़ रहे हैं, जिनकी जरूरत नहीं है! यह सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उपचार के बारे में बताने के लिए साक्ष्यों का उपयोग करें। पेशेवर संगठन, अनुसंधान समूह, नियामक और नीति निर्माताओं को यह सुनिश्चित करने में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए कि उपचार का उपयोग जरूरत के मुताबिक किया जाए, न कि झूठी उम्मीद पैदा करने के लिए।

प्रवीण कुमार सिंह

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के विरुद्ध सरकार का युद्ध

कोरोना महामारी के दौर में एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना उचित होगा। भारत का मेगा टीकाकरण अभियान 'उपलब्धता, पहुंच और सामर्थ्य' के इर्द-गिर्द केंद्रित है। ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के प्रयास हेतु, पीएम केयर्स फंड से पहले तो 202 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, ताकि ऑक्सीजन जेनरेट करने वाले प्लांट्स को स्थापित किया जा सके। स्वीकृति के बावजूद कई राज्य सरकारों ने अब तक एक भी ऑक्सीजन यूनिट की स्थापना नहीं की। हाल ही में मोदी सरकार ने 551 और नए ऑक्सीजन यूनिट्स की स्थापना के लिए पीएम केयर्स फंड से आवंटन का ऐलान किया।

कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर के बीच भारत में निर्मित कोवैक्सीन और कोविशिल्ड टीके के बाद अब रूस के स्पुतनिक टीके को भी मंजूरी मिल गई है। हाल ही में जाइडस कैडिला नामक फार्मा कंपनी की वैक्सीन को भी केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृती दी गई है। जहां तक टीके की मांग और आपूर्ति का पक्ष है, तो एक सुदृढ़ शासन प्रणाली ही इसमें संतुलन बैठा सकती है और मोदी सरकार ने यह काम बहुत ही व्यवस्थित रूप से किया है। देश में प्रतिदिन कोरोना संक्रमित मरीजों की बात करें तो 10 उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में आठ महाराष्ट्र से आते हैं। यहां राज्य सरकार के गैर जिम्मेदाराना रवैये की वजह से पांच लाख से ज्यादा कोविड टीके नष्ट हो गए।

महाराष्ट्र की औसतन साप्ताहिक पाजिटिविटी रेट जहां 25 फीसद से अधिक रही है, वहीं दिल्ली की पाजिटिविटी दर 32 फीसद और छत्तीसगढ़ की 31 फीसद है जो यह दर्शाता है कि इन राज्यों की सरकारों ने संक्रमण को रोकने में लापरवाही बरती है। कुछ लोग आजकल भारत और ब्राजील के बीच तुलना कर रहे हैं। यह तुलना बेबुनियाद है। ब्राजील की कुल आबादी लगभग 21 करोड़ है जो भारत के सिर्फ एक राज्य उत्तर प्रदेश के बराबर है। हालांकि उत्तर प्रदेश में प्रति वर्ग किमी लोगों का घनत्व 828 है, जहां कोरोना से अब तक 11,000 लोगों की मौतें हुई हैं, जबकि ब्राजील में प्रति वर्ग किमी 25 व्यक्तियों का जनसंख्या घनत्व है, वहां मृतकों की संख्या चार लाख पहुंच चुकी है। जहां तक टीकाकरण का सवाल है तो सवा अरब से भी अधिक आबादी वाले हमारे देश में सार्वभौमिक टीकाकरण न तो व्यावहारिक है और न ही वांछनीय। फिर भी कोविड महामारी के खिलाफ जंग का ऐलान करते हुए हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है कि एक मई से 18 साल की उम्र से ऊपर

सभी लोगों को टीका लगाने की अनुमति होगी और प्रबंध भी होगा।

भारत सरकार ने रिकॉर्ड समय के तहत इस साल जुलाई से पहले 30 करोड़ से अधिक लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा है, जो अमेरिका की लगभग पूरी आबादी के बराबर है। जो लोग बेवजह यह आरोप लगा रहे हैं कि भारत को टीकों का निर्यात नहीं करना चाहिए था, उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि वैश्विक महामारी के संकट से निजात पाने के लिए, मानवीय आधार पर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सामूहिक प्रयास की जरूरत होती है और ठीक यही मोदी सरकार 'वैक्सीन मैत्री' के माध्यम से कर रही है। क्या हम भूकंप, चक्रवात या बाढ़ के दौरान पड़ोसी देशों की मदद नहीं करते हैं? तो इस कोरोना महामारी के दौरान यदि मोदी सरकार सहायता प्रदान कर रही है तो फिर इतनी हाय-तौबा क्यों मचाई जा रही है? वैक्सीन रोलआउट से पहले ही भारत के वैक्सीन निर्माताओं और 'गावी गठबंधन' के बीच द्विपक्षीय समझौतों के तहत निर्मित किए गए अधिकांश वैक्सीन निर्यात किए गए हैं। मालूम हो कि गावी गठबंधन एक सार्वजनिक निजी भागीदारी में संचालित संगठन है, जो दुनिया के लगभग 50 फीसद बच्चों को तमाम तरह के टीके उपलब्ध करा रही है।

भारत में कोविड की इस दूसरी लहर के बीच ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि ऐसे माहौल में विधानसभा चुनावों और राजनीतिक रैलियों पर रोक क्यों नहीं लगाई गई? तथ्य यह है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत यदि राष्ट्रीय आपातकाल जैसी स्थिति हो तो राज्य विधानसभाओं के चुनाव केवल छह महीने के लिए ही स्थगित किए जा सकते हैं। रैलियों में, लोगों की भीड़ को रोकने के लिए चुनाव आयोग की तरफ से वर्चुअल रैलियां करने का सुझाव आया था, लेकिन विपक्ष द्वारा इस सुझाव को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि वर्चुअल रैलियों से चुनाव में भाजपा को ही फायदा होगा। आज वही विपक्ष मोदी सरकार पर ताने क्यों कस रहा है? जब हजारों लोगों की भीड़ एकत्रित कर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल में मछुआरों के साथ समुद्र में गोते लगा रहे थे और केरल में राजनीतिक रैलियां कर रहे थे, क्या तब महामारी नहीं थी? इतना ही नहीं, जो लोग बार बार यह पूछते हैं कि पीएम केयर्स फंड का उपयोग किस तरह किया गया है तो उन्हें यह जानना चाहिए कि इस फंड के द्वारा विभिन्न राज्यों को लगभग 50 हजार वेंटीलेटर उपलब्ध करवाए गए हैं।

इसके अलावा, सच बात यह भी है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत एक स्वायत्त संस्था होने के नाते, चुनाव कराने और तत्कालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए चुनाव संबंधी आदर्श संहिता तय करना चुनाव आयोग के क्षेत्राधिकार में आता है। चुनाव आयोग का भाजपा या अन्य किसी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं होता है। इसलिए चुनाव प्रक्रिया को लेकर भाजपा से सवाल करना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। चुनाव आयोजन का फैसला चुनाव आयोग का था, भाजपा का नहीं। कोरोना महामारी के दौर में एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना उचित होगा। भारत का मेगा टीकाकरण अभियान 'उपलब्धता, पहुंच और सामर्थ्य' के इर्द-गिर्द केंद्रित है।

ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के प्रयास हेतु, पीएम केयर्स फंड से पहले तो 202 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, ताकि ऑक्सीजन जेनरेट करने वाले प्लांट्स को स्थापित किया जा सके। स्वीकृति के बावजूद कई राज्य सरकारों ने अब तक एक भी ऑक्सीजन यूनिट की स्थापना नहीं की। हाल ही में मोदी सरकार ने 551 और नए ऑक्सीजन यूनिट्स की स्थापना के लिए पीएम केयर्स फंड से आवंटन का ऐलान किया। देश में ऑक्सीजन के उत्पादन और जरूरतमंदों तक उसकी समुचित आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार निरंतर कार्यरत है।

पूर्णतया सुरक्षित और प्रभावी कोरोना रोधी टीका

देश में कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर मार्च शुरू होने पर आ चुकी थी। महामारी विज्ञानियों की भविष्यवाणी मानें तो रोजाना के नए संक्रमण का आंकड़ा इस बार साढ़े तीन लाख से भी अधिक हो सकता है, जो एक भयावह स्थिति होगी। अमेरिका, ब्रिटेन, इजरायल सहित कई अन्य देशों ने महामारी पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी रूप से टीकाकरण अभियान लागू किया है और आंकड़े दिखा रहे हैं कि इससे स्वाभाविक रूप से मृत्यु दर कम हो रही है। भारत को भी ऐसा ही करना होगा। भारत में टीकाकरण की शुरुआत 16 जनवरी को हुई थी, लेकिन यह अभी भी बहुत धीमा है। उम्मीद के मुताबिक अभी तक टीकों की खुराक लोगों तक नहीं पहुंच पाई है। टीका एक ऐसी जैविक औषधि विधि है, जो रोगाणुओं के खिलाफ सक्रिय प्रतिरक्षा प्रदान करता है। इसमें आम तौर पर कुछ ऐसा होता है जो रोगजनक रोगाणु से मिलता-जुलता है। यह एक कमजोर या क्षीण रोगाणु या इसके विष या इसके कवच पर पाया जाने वाला कोई प्रोटीन भी हो सकता है। इस तरह से टीका रोगाणु को पहचानने, इसे नष्ट करने और भविष्य में रोगाणु से मुकाबले के लिए शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करके तैयार करता है। इस तरह से टीकाकरण के बाद विकसित होने वाली एंटीबॉडी रोगाणुओं को पहचान लेती है, कोशिकाओं में इसके प्रवेश को रोकती है और इसके विनाश के उपक्रम करती है।

कुछ टीके हत्यारी कोशिकाओं को भी प्रेरित करते हैं, जो संक्रमित कोशिकाओं को उनके समूह से बाहर निकाल कर नष्ट करती हैं। एक सफल टीका विकसित करने में वर्षों लग सकते हैं। जबकि पिछले एक वर्ष में कई कोविड टीके विकसित किए गए हैं और उनके उपयोग को भी मंजूरी दे दी गई है। यह कैसे संभव हुआ? यह कई लोगों को भ्रमित करता है, जो सोचते हैं कि इतनी तीव्र गति से विकसित किए जाने से इन टीकों की सुरक्षा और प्रभावशीलता से समझौता किया गया होगा। इन्हें त्वरित गति से विकसित कर पाने के कई कारण हैं- आधुनिक विज्ञान, वर्तमान तंत्र और अर्थशास्त्र। आधुनिक विज्ञान की शक्ति ने पहले विकसित किए गए कई टीकों के बनाने वाले प्लेटफार्मों की तैयार उपलब्धता के साथ योगदान दिया है जिन्हें कोविड टीकों के लिए जल्दी से पुन~ इस्तेमाल किया गया है। सभी टीके कोरोना विषाणु की ऊपरी सतह पर पाई जाने वाली स्पाइक प्रोटीन के लिए प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया बढ़ाने पर आधारित हैं और अभी तक के आंकड़ों के हिसाब से इसने तुलनात्मक रूप से अच्छा काम किया। यह भी एक विडंबना है कि वैज्ञानिक लगभग चार दशकों से एचआइवी के टीके पर काम कर रहे हैं और वायरस के सतही प्रोटीन का उपयोग करने वाले सभी प्रयास अब तक एक प्रभावी टीके का उत्पादन करने में विफल रहे हैं। कोरोना के बाद प्रयोग में आई तेजी ~कोविड काल में टीका विकास क्रमिक रूप से आगे बढ़ गया। हालांकि नियामकों ने कोविड टीकों के लिए कई समानांतर चरणों की अनुमति दी और विनियामक समीक्षाओं को तेज किया गया। अंत में, कंपनियों को प्रायोगिक परीक्षण पूरा होने से पहले टीके बनाने की अनुमति दी गई जो टीका विज्ञान के इतिहास में पहली बार हुआ है। इतना ही नहीं, इन्हें इस कार्य के लिए धन भी मुहैया कराया गया। ये बिंदु बताते हैं कि कैसे कोविड टीकों का त्वरित विकास संभव हो सका।कोरोना विषाणु का जीनोमिक अनुक्रम सात जनवरी 2020 को पहली बार पता चला। इसके बाद महज 42 दिनों में एक अमेरिकी बायोटेक कंपनी मॉडर्ना ने एक आरएनए वाले टीके का विकास किया है। इसके बाद अगले 63 दिनों में वॉलंटियर्स को इस टीके की खुराक दी गई थी। बायो एन-टेक नामक जर्मनी की एक छोटी बायोटेक कंपनी ने भी ऐसी ही आरएनए वाली एक समान वैक्सीन का निर्माण किया और इसे विकसित और वितरित करने के लिए अमेरिकी फार्मास्युटिकल दिग्गज फाइजर के साथ भागीदारी की। आरएनए के टीके पहले कभी भी नहीं आजमाए गए थे, लेकिन वे उल्लेखनीय रूप से असरदार साबित हुए। वे प्रोटीन (इस मामले में स्पाइक प्रोटीन) का उत्पादन हमारी कोशिकाओं में जाकर करते हैं, जो प्रतिरक्षा को उत्प्रेरित करता है। इस तरह के टीके की अवधारणा सरल है, लेकिन असली चुनौती आरएनए को स्थिर रखने की है जो स्वाभाविक रूप से कठिन है। मानव नैदानिक परीक्षणों में इन दोनों आरएनए टीकों ने उत्कृष्ट सुरक्षा और प्रभावकारिता दिखाई है, लिहाजा आज कईदेशों में इसका उपयोग किया जा रहा है। पिछले कुछ दशकों में निष्क्रिय किए गए संपूर्ण वायरस और प्रोटीन सबयूनिट टीके बनाने की विधियां भी विकसित की गई हैं। इन टीकों में देश की प्रमुख दवा कंपनी भारत बायोटेक का कोवैक्सिन टीका भी शामिल है। टीकों के नैदानिक विकास में परीक्षण के तीन चरण होते हैं। पहले चरण में टीके का परीक्षण आमतौर पर 20 से 100 स्वस्थ वॉलंटियर्स पर किया जाता है, ताकि यह जांचा जा सके कि यह सुरक्षित है। इस दौरान यह देखा जाता है कि कहीं यह किसी गंभीर दुष्प्रभाव को जन्म तो नहीं देता है और इस्तेमाल होने वाली खुराक कितनी होनी चाहिए जिससे किसी प्रकार का कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके दूसरे चरण में नैदानिक परीक्षण कई सौ वॉलंटियर्स पर किया जाता है, ताकि अल्पकालिक दुष्प्रभाव का निर्धारण किया जा सके। तीसरे चरण को टीकों की प्रभावकारिता का परीक्षण करने के लिए सैकड़ों या हजारों वॉलंटियर्स पर किया जाता है।

ममता ने खेल किया

बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में अपनी जीत पर जिस तरह का दांव लगा रखा था, उससे साफ था कि उसके निशाने पर सिर्फ पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नहीं था। इसके जरिए वह 2024 के लोकसभा चुनाव का ट्रेंड सेट करना चाहती थी। उसके राज्य में दो अंकों में सिमटने के बाद यह फायदा बीजेपी के बजाय विपक्षी खेमे को मिलने वाला है।

कोरोना की दूसरी लहर के बीच हुए पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के दौरान भले परिवर्तन शब्द पर सबसे ज्यादा जोर दिख रहा हो, वोटरों ने पांच में से तीन जगह सत्ताधारी दल को ही दोबारा सत्ता सौंपी। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के आक्रामक कैंपेन और ध्रुवीकरण की कोशिशों के बावजूद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने शानदार जीत दर्ज की। असम में एनआरसी से जुड़े विवादों के बावजूद बीजेपी को जनता ने लगातार दूसरी बार चुना और कांग्रेस को फिर से मायूसी हाथ लगी। तमिलनाडु में डीएमकेएकी जीत हुई, लेकिन सीटों की संख्या उसकी उम्मीद से कम रही। एम करुणानिधि के निधन के बाद स्टालिन के नेतृत्व में यह पार्टी का पहला विधानसभा चुनाव था, जिसमें वह सफल रहे। केरल में एक बार एलडीएफ और दूसरी बार यूडीएफ की रीत को बदलते हुए पिनरई विजयन सरकार ने पहले से ज्यादा सीटों के साथ सत्ता में वापसी की। यह ऐतिहासिक रिजल्ट है। इससे पता चलता है कि विजयन सरकार के कामकाज को जनता ने पसंद किया है, लेकिन पश्चिम बंगाल में लेफ्ट पार्टियों का सफाया हो गया। क्या बंगाल में सीपीएम को केरल में पार्टी के कामकाज के तरीकों से कुछ सीखना चाहिए? यह सवाल गौरतलब है।

बहरहाल, इन चुनावी नतीजों का सबसे गंभीर पहलू यह है कि पश्चिम बंगाल के नतीजों से जो नैरेटिव बन रहा है, उसका असर आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति के दोनों खेमों में देखने को मिल सकता है। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में अपनी जीत पर जिस तरह का दांव लगा रखा था, उससे साफ था कि उसके निशाने पर सिर्फ पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नहीं था। इसके जरिए वह 2024 के लोकसभा चुनाव का ट्रेंड सेट करना चाहती थी। उसके राज्य में दो अंकों में सिमटने के बाद यह फायदा बीजेपी के बजाय विपक्षी खेमे को मिलने वाला है। जिस तरह से अखिलेश यादव और शरद पवार से लेकर महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला तक तमाम विपक्षी नेता ममता को बधाई देने आगे आए हैं, उससे यह सष्ट है कि इस जीत में वे सब किसी न किसी रूप में अपनी जीत भी देख रहे हैं। इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि कांग्रेस किसी भी राज्य में विरोधियों के सामने मजबूत चुनौती तक पेश नहीं कर सकी। कुल मिलाकर इन चुनाव नतीजों ने विपक्षी खेमे में ममता का कद ऊंचा किया है तो कांग्रेस की हैसियत कम की है। इसका विपक्षी पार्टियों के आपसी समीकरण और गठबंधन की शक्ल पर ठीक-ठीक क्या और कैसा प्रभाव पड़ने वाला है, यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा। लेकिन इतना तय है कि इन चुनावों ने कांग्रेस और बीजेपी दोनों के नेतृत्व को मंथन के लिए बहुत कुछ दे दिया है।

भारत में कोरोना संकट की दूसरी लहर के बीच अमेरिका से वैक्सीन के कच्चे माल की आपूर्ति

इससे क्वाड को एक सकारात्मक और समावेशी सोच वाले फोरम के रूप में प्रस्तुत किया गया था। अब जब मार्च में दुनिया के ये बड़े देश विशेषकर अमेरिका कोविड के मुद्दे पर बेहतर स्वास्थ्य साझेदारियों को बढ़ाने की बात कर चुका है तो उसे कायदे से भारत को सहयोग देने के लिए अग्रसर होना चाहिए था, उसे भारत के लिए अड़चने नहीं पैदा करनी थी। नहीं तो ऐसे संगठनों और साझेदारों का कोई फायदा नहीं होगा। अब जब अमेरिका ने इस बात को समझा है कि लगभग साढ़े तीन लाख कोविड मामलों को प्रतिदिन झेलने वाले भारत को मदद नहीं की और प्रतिबंधात्मक रुख नहीं हटाया तो उस पर तमाम सवाल उठ खड़े होंगे, उसकी मानवाधिकारवादी सोच पर देश प्रश्न उठाने लगेंगे, तब जाकर अमेरिका के रुख में बदलाव आया है।

बीते दिनों लक्षद्वीप में अमेरिका द्वारा भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र के उल्लंघन और हाल में भारत को करेंसी मैनिपुलेटर देश की सूची में डालने के बाद से अमेरिका की सोच के बारे में कुछ अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा था कि क्या वह भारत में कोविड की दूसरी घातक लहर के बीच स्वास्थ्य सहयोग करेगा या निष्ठुर बना रहेगा। दरअसल अमेरिका ने कोरोना वैक्सीन के उत्पादन में काम आने वाले प्रमुख कच्चे माल के भारत को निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। उसने तर्क दिया था कि उसका पहला दायित्व अमेरिकी लोगों की जरूरतों को देखना है। लेकिन अब दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के मध्य बनी सहमति के बाद अमेरिकी व्हाइट हाउस ने बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवान ने भारत के साथ एकजुटता जाहिर की है। दोनों देशों की सात दशकों की स्वास्थ्य साझेदारी है जिसमें पोलियो, एचआइवी और स्मॉलपॉक्स के खिलाफ लड़ाई लड़ी गई। अब दोनों देश कोरोना वायरस के खिलाफ भी साथ लड़ाई जारी रखेंगे।

महामारी की शुरुआत में जिस तरह भारत ने अमेरिका के लिए मदद भेजी थी, उसी तरह अमेरिका ने भी भारत को मुश्किल समय में मदद करने के लिए दृढ़ता दिखाई है। व्हाइट हाउस से जारी वक्तव्य के अनुसार अमेरिका ने कोविशील्ड वैक्सीन के भारत में निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल की पहचान की है जो तुरंत भारत के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। भारत में फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्कर्स को बचाने और कोरोना मरीजों के इलाज के लिए जरूरी वेंटीलेटर्स, पीपीई किट्स, रैपिड डायग्नॉस्टिक टेस्ट किट्स आदि भी तुरंत

मुहैया करवाई जाएंगी।

इसके साथ ही यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन भारत के हैदराबाद स्थित वैक्सीन विनिर्माता कंपनी बायोलॉजिकल ई लिमिटेड की कोविड वैक्सीन की विनिर्माण क्षमता में महत्वपूर्ण विस्तार देने के लिए उसे फंडिंग कर रहा है जिससे बायोलॉजिकल ई लिमिटेड वर्ष 2022 के अंत तक कम से कम एक अरब कोविड वैक्सीन डोजों को उत्पादित कर सके। इसके अलावा, अमेरिका भारत के कोविड आपदा से निपटने में उसे सहयोग देने के नाम पर पब्लिक हेल्थ एडवाइजर्स की एक विशेषज्ञ टीम की तैनाती कर रहा है जो सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल और यूएस एड से जुड़े हुए हैं।

यहां भारतीय हितों की भूमिका का भी उल्लेख किया जा सकता है। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बाइडन प्रशासन से निवेदन किया था कि वो एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की डोज को उन देशों में भेजे जहां कोरोना महामारी विकराल रूप ले चुकी है। उनका कहना था कि अभी अमेरिका के पास एस्ट्राजेनेका के लगभग चार करोड़ डोज हैं जिसे अमेरिका अभी उपयोग में नहीं ला रहा है और इसे मैक्सिको व कनाडा को मदद देने के लिए भेजने की बात हुई है। उन्होंने इसे भारत व अर्जेंटीना भी भेजने का निवेदन किया। भारत में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने भी कहा है कि वे भारत को सहायता देने के लिए 'मिशन टू सपोर्ट' को तैयार कर रही हैं। इसी क्रम में यूरोपीय संघ ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत को हरसंभव सहायता प्रदान करेगा। यूरोपियन इमरजेंसी रिस्पॉन्स कोऑर्डिनेटर ने भी हाल ही में सूचित किया है कि यूरोपीय संघ ने भारत को कोविड संकट से निपटने के लिए मदद करने के लिए अपने सिविल प्रोटेक्शन मैकेनिज्म को सक्रिय किया है। ब्रिटिश हाइ कमीशन ने भी घोषणा की है कि वह भारत को इस मुश्किल घड़ी में 600 से अधिक अति महत्वपूर्ण उपकरण भेजेगा।

वैश्विक सहयोग पाने का हकदार भारत ~ भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी चिकित्सा मानवाधिकारवादी आपूर्ति के जरिये विश्व समुदाय की जो सेवा पिछले एक वर्ष में की है, उससे भारत अपने संकट की घड़ी में दुनिया के देशों के सहयोग का हकदार है। भारत ने मार्च तक 69 देशों को 583 लाख कोविड वैक्सीन की डोज दी है। खास बात यह है कि वैक्सीन की इन डोज में से बहुत सारी वैक्सीन मैत्री के तहत मुफ्त में भी उपलब्ध कराई गई है। भारत ने वैक्सीन मैत्री के तौर पर करीब 80 लाख वैक्सीन डोज देशों में मुफ्त में पहुंचाई है। वहीं, 338 लाख डोज कमर्शियल तौर पर दी गई है यानी बेची गई है।

भारत की भूमिका को संज्ञान में लेते हुए नोबेल शांति पुरस्कार विजेता संगठन डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने हाल ही में अमेरिका यूरोपीय संघ के देशों और अन्य संबंधित देशों से यह निवेदन किया था कि वह सस्ते कीमत वाली कोरोना वैक्सीन के निर्माण के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीका के पेटेंट छूट संबंधी प्रस्ताव का विरोध न करें। भारत और अफ्रीका यह चाहते हैं कि डब्ल्यूटीओ कोरोना वैक्सीन से संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकारों और पेटेंट सीमाओं का उन्मूलन करें, ताकि इस महामारी से निपटने के लिए विकासशील देशों में कोविड वैक्सीन और अन्य संबंधित नई प्रौद्योगिकियां पहुंच सकें, क्योंकि कोविड वैक्सीन के पेटेंट संबंधी मुद्दे को लेकर विश्व व्यापार संगठन की एक अनौपचारिक बैठक होने वाली है।

लिहाजा डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने डब्ल्यूटीओ सहित बड़े देशों से यह आग्रह किया है। यहां मार्च में क्वाड के चार सदस्य देशों के नेताओं की पहली वर्चुअल मीटिंग का उल्लेख महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के शासनाध्यक्षों ने कोविड वैक्सीन को लेकर सकारात्मक सोच को जाहिर किया था। इससे क्वाड को एक सकारात्मक और समावेशी सोच वाले फोरम के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

अब जब मार्च में दुनिया के ये बड़े देश विशेषकर अमेरिका कोविड के मुद्दे पर बेहतर स्वास्थ्य साझेदारियों को बढ़ाने की बात कर चुका है तो उसे कायदे से भारत को सहयोग देने के लिए अग्रसर होना चाहिए था, उसे भारत के लिए अड़चने नहीं पैदा करनी थी। नहीं तो ऐसे संगठनों और साझेदारों का कोई फायदा नहीं होगा। अब जब अमेरिका ने इस बात को समझा है कि लगभग साढ़े तीन लाख कोविड मामलों को प्रतिदिन झेलने वाले भारत को मदद नहीं की और प्रतिबंधात्मक रुख नहीं हटाया तो उस पर तमाम सवाल उठ खड़े होंगे, उसकी मानवाधिकारवादी सोच पर देश प्रश्न उठाने लगेंगे, तब जाकर अमेरिका के रुख में बदलाव आया है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

कोरोना वायरस से संक्रमित पूर्व केंद्रीय मंत्री आरएलडी सुप्रीमो चौधरी अजित सिंह का निधन

लखनऊ । राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अजित सिंह का गुरुवार को निधन हो गया है। वह कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद अपना इलाज करा रहे थे। उनके पार्थिव शरीर का गुरुग्राम के मदनपुरी के रामबाग में अंतिम संस्कार होगा।

राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया चौधरी अजित सिंह कोरोना संक्रमण के कारण गुरुग्राम के आर्टिमिस अस्पताल में भर्ती थे। गुरुवार को चौधरी अजित सिंह ने आज सुबह 8-20 बजे अंतिम सांस ली। 20 अप्रैल को उनकी कोरोना वायरस टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।कोरोना संक्रमित होने पर चौधरी अजित सिंह का उपचार गुरुग्राम के अस्पताल में किया जा रहा था। बीते दिनों में जब उनका स्वास्थ्य बिगड़ा, उन्हें आइसीयू में वेंटिलेटर पर निर्भर रखा गया था। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के बागपत से पूर्व सांसद थे। पंचायत चुनाव में इस बार उनकी पार्टी ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शानदार प्रदर्शन किया था।

मनमोहन सिंह सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे चौधरी अजित सिंह के बेटे जयंत चौधरी भी मथुरा से सांसद रहे हैं। चौधरी अजित सिंह बीते कई दिनों से कोरोना वायरस से संक्रमित थे। राष्ट्रीय लोक दल प्रमुख चौधरी अजित सिंह की मंगलवार रात तबीयत ज्यादा खराब हो गई। वह 22 अप्रैल से गुरुग्राम के एक प्राइवेट हॉस्पिटल आर्टिमिस में उनका इलाज चल रहा था। उनके फेफड़ों में संक्रमण बढ़ने के कारण उनकी हालत नाजुक बनी थी।

छोटे चौधरी के नाम से मशहूर- छोटे चौधरी के नाम से मशहूर चौधरी अजित सिंह पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे थे और उनकी पैतृक सीट बागपत से सात बार सांसद रहे थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति की धुरी रहे चौधरी अजित सिंह केंद्र सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री भी रहे थे। राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष चौधरी अजीत सिंह का जन्म 12 फरवरी, 1939 को मेरठ में हुआ था। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय और आईआईटी खडग़पुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा ग्रहणकी। सत्रह वर्ष अमेरिका के आइबीएम में काम करने के बाद चौधरी अजीत सिंह वर्ष 1980 में अपने पिता चौधरी चरण सिंह की पार्टी लोक दल को फिर सक्रिय करने के उद्देश्य से भारत लौटे थे। अजीत सिंह के बेटे जयंत चौधरी मथुरा निर्वाचन क्षेत्र से पंद्रहवीं लोकसभा के सदस्य रह चुके हैं।

चौधरी अजित सिंह सात बार लोकसभा और एक बार राज्यसभा सदस्य रहे- स्वर्गीय चौधरी अजित सिंह सात बार बागपत से लोकसभा के सदस्य थे। वह एक बार राज्यसभा के भी सदस्य थे। पूर्व प्रधानमंत्री और किसान नेता चौधरी चरण सिंह के बेटे अजित सिंह बागपत से सात बाद सांसद और कई बार मंत्री रह चुके हैं। 2001 से 2003 तक अटल बिहारी सरकार में वह कृषि मंत्री और 2011 में यूपीए सरकार के तहत नागरिक उड्डयन मंत्री रह चुके हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में उन्होंने मुजफ्फनगर से चुनाव लड़ा था लेकिन हार झेलनी पड़ी थी। चार बार केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में उन्हें प्रमुख स्थान प्राप्त हुआ। चौधरी अजित सिंह ने अपने पिता पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की विचारधारा की विरासत को बखूबी संभाला और उनको भी देश के किसान-कमेरा वर्ग के नेता के रूप में पहचाना गया। चौधरी अजित सिंह राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। पश्चिमी यूपी में चौधरी अजित सिंह जाटों के बड़े नेता माने जाते थे।

चौधरी अजित सिंह देश के पूर्व प्रधानमंत्री और किसान नेता चौधरी चरण सिंह के पुत्र थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चौधरी अजित सिंह जाट वर्ग के बड़े नेता माने जाते थे। 2014 व 2019 के लोकसभा में उनको हार झेलनी पड़ी जबकि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी का प्रदर्शन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी काफी निराश करने वाला रहा। वह अपने गढ़ बागपत से लोकसभा चुनाव हार गए। उनके बेटे जयंत चौथरी भी मथुरा लोकसभा से चुनाव हारे। उनकी पार्टी ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर पंचायत चुनाव में इस बार शानदार प्रदर्शन किया। इनकी पार्टी ने बागपत, मेरठ, शामली, अलीगढ़ व मथुरा में जीत हासिल की। बागपत में जिला पंचायत सदस्य पद पर रालोद ने 20 में से सात पर जीत दर्ज की। मेरठ में छह तथा शामली में पार्टी को पांच सीट पर जीत मिली।

1989 में पहली बार बने थे केंद्रीय मंत्री- चौधरी अजित सिंह पहली बार 1989 में बागपत से लोकसभा का चुनाव लडे और यहां पर भारी मतो से जीतकर लोकसभा के लिए पहुंचे। यहीं से किसान नेता के रूप में उभर कर सामने आए थे। 1989 में वीपी सिंह सरकार में उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया गया। विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में चौधरी अजित सिंह 1989-90 तक केन्द्रीय उद्योग मंत्री रहे। इसके बाद वह 1991 में फिर बागपत से ही लोकसभा पहुंचे। इस बार नरसिम्हाराव की सरकार में उन्हें मंत्री बनाया गया। पी.वी. नरसिंह राव के काल में वर्ष 1995-1996 तक वह खाद्य व रसद मंत्री भी रहे। 1996 में तीसरी बार कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा पहुंचे, लेकिन फिर उन्होंने कांग्रेस और सीट से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस से इस्तीफा देकर भारतीय किसान कामगार पार्टी का निर्माण किया। अगले उपचुनावों में वह इसी दल के प्रत्याशी के तौर पर बागपत निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीते। 1998 में उन्हें बागपत लोकसभा सीट पर भाजपा के सोमपाल शास्त्री के सामने उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। 1999 में अजित सिंह ने राष्ट्रीय लोकदल का निर्माण किया। जुलाई 2001 के आम-चुनावों में इस दल का भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन कर सरकार का निर्माण किया गया। अजित सिंह को कैबिनेट मंत्री के तौर पर कृषि मंत्रालय का पदभार सौंपा गया। इसके बाद अजित सिंह ने अपनी पार्टी को बीजेपी और बीएसपी के गठबंधन में शामिल कर लिया। लेकिन बीजेपी और बीएसपी के अलग होने से कुछ समय पहले ही अजित सिंह ने अपनी पार्टी को बीएसपी से अलग कर लिया, जिसके कारण बीएसपी सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। मुलायम सिंह यादव के सत्ता में आने के साथ अजित सिंह ने 2007 तक उन्हें अपना समर्थन दिया। लेकिन किसान नीतियों में मदभेद के चलते उन्होंने अपना समर्थन वापस ले लिया। 2009 के चुनावों में उन्होंने एनडीए के घटक के तौर पर चुनाव लड़ा और वह पंद्रहवीं लोकसभा में चुने गए। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में बागपत लोक सभा सीट से कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा मगर भाजपा के चौधरी सत्यपाल सिंह ने सामने उन्हें हार मिल। इसके बाद 2019 का चुनाव सपा-बसपा गठबंधन में मुजफ्फरनगर सीट से चुनाव लगा। यहां उन्हें भाजपा नेता संजीव बालियान से शिकस्त खानी पड़ी।

आइआइटी से शिक्षित अजित सिंह ने आइबीएम में किया था काम : पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे अजित सिंह आइआइटी खडग़पुर से बीटेक पासआउट थे। वह पेशे से कम्प्यूटर साइंटिस्ट थे। 1960 में आइबीएम के साथ काम करने वाले पहले भारतीयों में एक थे। उनके निधन से पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच शोक की लहर है

सीएम योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने जताया शोक: बागपत के सात बार सांसद रहे 82 वर्षीय चौधरी अजित सिंह के के निधन पर देशभर के नेताओं ने शोक जताया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, लखनऊ से सांसद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक के साथ दो दर्जन के अधिक नेताओं ने चौधरी अजित सिंह के निधन पर शोक जताया है। राजनाथ सिंह ने इंटरनेट मीडिया मीडिया पर लिखा, चौधरी अजीत सिंह के निधन का समाचार बेहद पीड़ादायक हैं। अपने लम्बे सार्वजनिक जीवन में वे हमेशा जनता और जमीन से जुड़े रहे। साथ ही किसानों, मजदूरों एवं अन्य निर्बल वर्गों के हितों के लिए संघर्ष भी करते रहे। उनके शोकाकुल परिवार और समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। कांग्रेस सांसद नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से चौधरी अजित सिंह को श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त खबर

बिहार में अब पंचायतें रहेंगी बीडीओ, डीडीसी व डीएम के हवाले, 15 जून के बाद से बदलेगी व्यवस्था

पटना । बिहार की त्रिस्तरीय पंचायतों का कामकाज 15 जून के बाद जनप्रतिनिधियों के बजाए पूरी तरह अफसरों के हवाले होगा। वार्ड से लेकर ग्राम पंचायत, पंचायती समिति और जिला परिषद तक की विकास योजनाएं बनाने और मंजूर करने का अधिकार प्रखंड से लेकर जिलों के अफसरों को देने की तैयारी की जा रही है। विकास योजनाओं की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति का अधिकार बीडीओ, डीडीसी और डीएम को सौंपने का मसौदा पंचायती राज विभाग तैयार कर रहा है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा।

रही सही कसर को कोरोना ने पूरी कर दी- उधर, सरकार की तैयारियों से स्पष्ट है कि 15 जून से पहले त्रिस्तरीय पंचायतों में चुनाव कराने के प्रस्ताव को राज्य निर्वाचन आयोग ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। पहले तो ईवीएम विवाद और फिर रही सही कसर को कोरोना ने पूरी कर दी। तेजी से बढ़ रहे संक्रमण ने आयोग की तैयारी पर पानी फेर दिया। ऐसे में सरकार के पास एक मात्र विकल्प के रूप में पंचायती राज कानून-2006 में संशोधन ही शेष है। इसी के तहत पंचायती राज विभाग कानून में संशोधन का मसौदा तैयार कर रहा है।आयोग के लिए चुनाव करना संभव नहीं चुनाव पर विचार करने के लिए आयोग ने 21 अप्रैल को 15 दिनों का समय लिया था। आयोग को उम्मीद थी कि कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम हो जाएगी, लेकिन समय सीमा समाप्त होने के बाद कोरोना की रफ्तार कम होने के बदले बढ़ती जा रही है। ऐसे में यह तय है कि जून के पहले सप्ताह में मानसून का प्रवेश के कारण आयोग के लिए चुनाव करना संभव नहीं होगा।

संवैधानिक संकट के विकल्प की तलाश - 2006 में पंचायती राज अधिनियम बनाने के दौरान विशेषज्ञों को अहसास भी नहीं था कि कभी चुनाव टालने की नौबत आएगी। ऐसे में पंचायती राज संस्थाओं के अधिकार दिए जाने के बारे में अधिनियम में कोई उल्लेख नहीं है। लिहाजा वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए सरकार को अध्यादेश लाना होगा। हालांकि विचार इसपर भी किया जा सकता है कि पंचायती संस्थाओं के कार्यकाल का विस्तार किया जाए। चुनाव को लेकर पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी का कहना है कि चुनाव कब होंगे, इसका फैसला आयोग करेगा। राज्य सरकार फंड और अन्य इंतजाम करती है। सरकार वह काम कर चुकी है, लेकिन आज की तारीख में चुनाव कराना संभव नहीं लग रहा है।

पंजाब के गुरुद्वारों में लगेगा ऑक्सीजन दा लंगर, गुरुघरों में कोरोना मरीजों को संजीवनी देने की मुहिम

लुधियाना । कोरोना महामारी में ऑक्सीजन की कमी के कारण मरीजों की सांसें फूल रही हैं। कई जगह ऑक्सीजन नहीं मिलने से लोगों की जान जा चुकी है। पंजाब में ऑक्सीजन की कमी के कारण किसी की जान न जाए इसके लिए एसजीपीसी (शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी) ने गुरुघरों में कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर का प्रबंध किया है। इस मुहिम को ऑक्सीजन दा लंगर नाम दिया गया है। पंजाब के चार गुरुद्वारा साहिबों में कोविड सेंटर तैयार कर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लगाए जाएंगे। एसजीपीसी ने विदेश से 500 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मंगवाए हैं। इस मुहिम की शुरुआत बुधवार को लुधियाना के आलमगीर साहिब गुरुद्वारा से होनी थी। एसजीपीसी अध्यक्ष बीबी जगीर कौर को इसका शुभारंभ करना था, लेकिन कस्टम से क्लीयरेंस नहीं मिलने के कारण कंसंट्रेटर नहीं पहुंच पाए। गुरुद्वारा साहिब के दीवान हाल में 25 बेड, दो डाक्टर, नर्सिंग स्टाफ आदि की व्यवस्था कर दी गई है। उम्मीद है कि एक-दो दिन में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पहुंचने के साथ ही इसकी शुरुआत कर दी जाएगी। इसके अलावा दमदमा साहिब तलवंडी साबो (बठिंडा), भुलत्थ (कपूरथला) के एक गुरुद्वारा साहिब और पटियाला के मोतीबाग स्थित गुरुद्वारा साहिब में भी मई के अंत तक कोविड सेंटर तैयार कर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लगा दिए जाएंगे। दूसरे चरण में जिन जिलों में ऑक्सीजन की जरूरत है वहां गुरुद्वारा साहिबों में कोविड सेंटर बनाकर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लगाए जाएंगे। जिन गुरुद्वारों में कोविड सेंटर बनाकर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लगाए जाएंगे वहां मेडिकल टीमें भी तैनात रहेंगी। हर सेंटर पर दो डाक्टर और नर्सिंग स्टाफ लगाया जाएगा। अगर किसी मरीज को वेंटिलेटर की जरूरत पड़ती है तो एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है, ताकि उसे तुरंत अस्पताल शिफ्ट किया जा सके। इस बारे में एसजीपीसी ने मुख्य सचिव और जिला प्रशासन को अवगत करवा दिया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा- हरिद्वार महाकुंभ से उत्तर भारत में हुआ कोरोना विस्फोट

देहरादून । प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा कि राय सरकार के हरिद्वार महाकुंभ के अनियोजित, अनियंत्रित व असंयमित आयोजन से उत्तराखंड समेत पूरे उत्तर भारत में कोरोना विस्फोट हुआ। 20 दिनों में उत्तराखंड मृत्यु दर में देश में सबसे आगे पहुंच गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) के कोविड कंट्रोल रूम की ओर से जूम मीटिंग में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण को लेकर प्रदेश संगठन का पक्ष रखा। राय मुख्यालय व जिला स्तर पर पार्टी कंट्रोल रूम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि छोटे राय में कोविड-19 से मरने वालों का आंकड़ा तीन हजार को छू रहा है। अब तक दो लाख से यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। सक्रिय मामले 56627 हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार की वजह से ये हालात बने हैं। राय में आक्सीजन सिलिंडरों, आक्सीजन बेड, आइसीयू व वेंटिलेटर की कमी बनी हुई है। इलाजा की कमी की वजह से मरने वालों की संख्या बढ़ रही है।उन्होंने एआइसीसी से अनुरोध किया कि आक्सीजन के खाली सिलिंडरों की व्यवस्था कराने में मदद की जाए। आक्सीजन बैंक संचालित कर रहा उनका ट्रस्ट खाली सिलेंडर खरीदने को तैयार है। उन्होंने बताया कि एआइसीसी के केंद्रीय कंट्रोल रूम ने आश्वस्त किया कि राय को हरसंभव मदद दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश, पंचायत चुनाव में लगे हर कार्मिक की होगी कोरोना जांच

लखनऊ । देश के साथ उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर पांच पसार चुकी कोरोना वायरस की खतरनाक दूसरी लहर के बीच पंचायत चुनाव तो निपट गए, लेकिन अब सरकार इसे लेकर चिंतित है। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर गांव में कोरोना वायरस संक्रमण जांच का विशेष अभियान शुरू कराने के साथ ही पंचायत चुनाव में ड्यूटी करने वाले सभी कार्मिकों की कोरोना जांच कराने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रदेश भर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में हालात की समीक्षा की। उन्होंने कहा पंचायत चुनाव में सेवा देने वाले सभी कार्मिकों की टेस्टिंग आवश्यक रूप से की जाए। सभी पुलिस लाइन्स, पीएसी वाहिनी और पुलिस ट्रेनिंग स्कूल आदि में कोविड केयर सेंटर स्थापित करते हुए कोविड जांच व उपचार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि फील्ड में तैनात अधिकारी निरंतर सजग व सतर्क रहकर अपनी भूमिकाओं का निर्वहन करें।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना के इस कालखंड में जरा सी लापरवाही बड़े खतरे का कारण बन सकती है। इसके अलावा कोविड-19 संबंधी किसी भी काम को लेकर शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित की जवाबदेही तय की जाएगी। जिलाधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनों से बातचीत कर समन्वय बनाते हुए काम करें।

नॉन कोविड गंभीर मरीजों के लिए डेडिकेटेड अस्पताल- इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने निर्देशित किया कि कोविड व नॉन कोविड मरीजों के लिए टेलीकंसल्टेंसी की व्यवस्थाएं रहें। नॉन कोविड मरीजों के इलाज के लिए हर जिले में एक डेडिकेटेड अस्पताल चलाया जाए, जहां गंभीर रोगों के इलाज की उच्चस्तरीय सुविधा उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि नॉन कोविड मरीजों को टेलीकंसल्टेंसी के माध्यम से चिकित्सीय परामर्श देने के लिए डाक्टरों का पैनल गठित किया जाए। साथ ही महिलाओं और बच्चों के इलाज के लिए हर जिले में जिला महिला चिकित्सालय व्यवस्थित ढंग से चलें।

19 जिलों के डीएम से ली रिपोर्ट- मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, वाराणसी, रायबरेली, मीरजापुर, आगरा, गाजीपुर, मेरठ, बरेली, फीरोजाबाद, गोरखपुर, कानपुर नगर, सुल्तानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मुरादाबाद और झांसी के जिलाधिकारियों से बात की। उनके जिलों में कोविड-19 की स्थिति, प्रबंधन, बचाव व इलाज के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हरदोई में ट्रक समेत क्राइम ब्रांच के दो सिपाही गर्रा नदी में गिरे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

हरदोई । हरदोई में चोरी के पकड़े गए ट्रक को लेकर आ रही क्राइम ब्रांच की टीम ट्रक समेत गर्रा नदी में जा गिरी। सूचना के मुताबिक नदी में क्राइम ब्रांच के दो सिपाही पुल से ट्रक समेत गर्रा नदी में जा गिरे हैं। दोनों सिपाहियों के ट्रक में फंसे होने की आशंका। मौके पर रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन जारी है। सिपाहियों को ढूंढने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।क्रेन बुलाकर ट्रक को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी मौके पर हैं।

10 दिन पहले चोरी हुए ट्रक को ला रही थी पुलिस टीम- बताया जा रहा है कि शाहाबाद से करीब 10 दिन पहले एक ट्रक चोरी हुआ था। ट्रक और चोरों की तलाश में लगी क्राइम ब्रांच को गुरुवार की सुबह सफलता मिल गई। ट्रक को पाली थाना क्षेत्र के रूपापुर के पास बरामद कर लिया गया। सूचना के अनुसार ट्रक को लेकर क्राइम ब्रांच की टीम हरदोई आ रही थी।

टीम के अन्य सदस्य अपनी गाड़ी पर थे, जबकि सिपाही श्रवण जायसवाल और जितेंद्र शर्मा, चालक के साथ ट्रक पर सवार थे। गुरुवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे पाली शाहाबाद मार्ग पर गर्रा नदी के पुल पर ट्रक पहुंचा ही था कि अनियंत्रित होकर ट्रक रेलिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिरा। टीम के अन्य सदस्यों ने पाली थाना पुलिस को सूचना दी गई।

जिसके बाद पुलिस ने क्रेन से ट्रक निकलवाने का प्रयास किया, लेकिन क्रेन नदी से ट्रक को नहीं खीच पाई। जिसके बाद ट्रक को निकालने के लिए बड़ी क्रेन मंगवाई गई। एसपी अनुराग वत्स भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ट्रक को निकालने का प्रयास कर रही है। दोनों सिपाहियों के चालक समेत ट्रक में फंसे होने की आशंका है।

यूपी में शादियों पर रोक या छूट, सरकार के दो आदेशों से बनी असमंजस की स्थिति

लखनऊ । कोरोना संक्रमण काल में शादी के सात फेरे ऐसे उलझे हैं कि आम जनता घनचक्कर हो गई और जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह बेफिक्र बने हुए हैं। उत्तर प्रदेश में पिछले जिन दो शासनादेशों में शादी-समारोह संबंधी जिक्र है, उसके आधार पर अनुमति जारी रहने या न रहने पर शासन की चुप्पी है। हालत कुछ ऐसी है कि शादियों पर रोक है या छूट, असमंजस की स्थित बनी हुई है। आपके घर में शादी है तो आपका रिस्क है और बाकी पुलिस-प्रशासन की मर्जी चलेगी।

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से आज जो हालात हैं, उनका अंदाजा न आमजन को था, न ही शासन को। बेशक, स्थितियां ऐसी हैं कि सार्वजनिक समारोह न किए जाएं। यथासंभव हर आयोजन टाल दिया जाए। शारीरिक दूरी बेहद जरूरी है, क्योंकि संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। मृत्यु दर भी बहुत अधिक है। इस सबसे इतर कुछ परिवारों की मजबूरी ऐसी है कि बेटे-बेटियों की शादी तय हो चुकी है। अब शायद उनकी स्थिति ऐसी नहीं है कि वह उसे स्थगित कर सकें। ऐसे में उनकी उलझन बढ़ गई है।वह असमंजस में हैं, क्योंकि संक्रमण की दूसरी लहर का प्रभाव बढ़ने पर शासनादेश जारी हुआ था, जिसमें उल्लेख था कि शादी-समारोह खुले स्थान पर करने पर उस क्षेत्रफल की निर्धारित क्षमता का पचास फीसद और अधिकतम सौ व्यक्ति, जबकि बंद स्थान, हाल आदि में अधिकतम पचास व्यक्तियों के शामिल होने की अनुमति होगी। आमजन ने उसी शासनादेश के आधार पर होटल-मैरिज हाउस आदि की बुकिंग कराई। फिर 16 अप्रैल को जारी हुए शासनादेश में कहा गया कि शनिवार रात से सोमवार सुबह तक कोरोना कर्फ्यू रहेगा।कोरोना कर्फ्यू की इस अवधि में आवश्यक सेवाओं को ही अनुमति रहेगी। इसमें शादी-समारोह का कोई जिक्र नहीं किया गया। फिर 29 अप्रैल को एक शासनादेश जारी हुआ, जिसमें संपूर्ण जिला, वार्ड, कस्बा आदि को कंटेनमेंट जोन बनाए जाने की शर्तें थीं। उसमें शादी-समारोह में अधिकतम पचास व्यक्ति और अंतिम संस्कार में अधिकतम बीस व्यक्तियों के शामिल होने का उल्लेख था।

इधर, हालात बिगड़ते देख सरकार ने पहले कोरोना कर्फ्यू को शुक्रवार रात से सोमवार सुबह तक किया, फिर शुक्रवार रात से मंगलवार और गुरुवार तक विस्तार देने के बाद अब सोमवार सुबह तक बढ़ा दिया है। मगर, इस बीच बीच शादी-समारोह की अनुमति के संबंध में कोई संशोधित शासनादेश जारी नहीं किया गया।

सक्रिय राजनीति में लौटे राजद सुप्रीमो लालू यादव, नौ मई को विधायकों के साथ बैठक में बनेगी रणनीति

पटना । जेल से बाहर आते ही राजद प्रमुख लालू प्रसाद सक्रिय राजनीति में लौट आए हैं। अभी तक इंटरनेट मीडिया के जरिए राजनीतिक प्रतिक्रिया देते आ रहे लालू अब भावनाओं का खुलकर इजहार करने लगे हैं। बुधवार को उन्होंने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तीसरी बार सीएम पद की शपथ लेने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। लालू नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के साथ नौ मई को सभी विधायकों और विधानसभा चुनाव में हाथ आजमाए सभी राजद प्रत्याशियों के साथ वर्चुअल मीटिंग करेंगे।

नए विधायकों को सहायता करने की सलाह- राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने बताया कि राजद में इस बार बड़ी संख्या में विधायक पहली बार चुनकर आए हैं। राजद प्रमुख उन्हें कोरोना काल में लोगों की सहायता करने एवं अन्य सलाह देंगे। साथ ही बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में किस्मत आजमा चुके सभी नेताओं को बुलाया गया है।

मीसा भारती के सरकारी आवास पर हैं लालू- चारा घोटाला में करीब साढ़े तीन साल पहले जेल जाने के बाद बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू अदालत के आदेश पर सक्रिय राजनीति से परहेज करते आ रहे थे। किंतु 17 अप्रैल को जमानत मिलने के बाद अब वह दिल्ली में बेटी व पार्टी की राज्यसभा सदस्य मीसा भारती के सरकारी आवास पर हैं। दुमका कोषागार से अवैध निकाली के मामले में रांची की अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है। इसके बाद से पहले के मुकाबले लालू का ट्विटरवार भी तेज हो गया है।

तेजस्वी पहले से ही कोरोना को लेकर गंभीर- राजद की ओर से कहा गया है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहले से ही गंभीर हैं। उनकी पहल पर कई विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। राजद ने डॉक्टरों का एक पैनल भी बनाया है, जो फोन पर लोगों को चिकित्सकीय सलाह दे रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर सभी अवैध मार्ग बंद, लॉकडाउन के बाद सीमा पर बढ़ी निगरानी

मधुबनी (हरलाखी) । लॉकडाउन के दौरान 15 मई तक संपूर्ण बंद की घोषणा के पहले दिन बुधवार को पुलिस प्रशासन एक्शन मोड में नजर आया। लॉकडाउन को लेकर एक तरफ भारत-नेपाल सीमा के सभी मार्गों पर पूर्ण रूप से आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सीमा पर सभी अवैध मार्ग को बंद कर दिया गया है। इस बीच बॉर्डर पर मौजूद एसएसबी व नेपाली सेना ने भी बॉर्डर पर सख्ती बढ़ा दी है। दोनों देशों के जवानों ने दोनों देशों के नागरिकों के लिए बॉर्डर पर आवाजाही पूर्णतया बंद कर दिया है। जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई और बॉर्डर पर दोनों देश के नागरिक की भीड़ लग गई। लेकिन, नेपाली सेना ने एक भी व्यक्ति को नेपाल सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया। जबकि, नेपाल सीमा में फंसे कुछ भारतीय को चेतावनी देकर आने दिया। जिस कारण बॉर्डर पर भारतीय सीमा में आए नेपाली नागरिकों में आक्रोश भी दिखा। उनलोगों का कहना था कि रोक दोनों देशों के लोगों के लिए होना चाहिए था।

गौरतलब है कि कोरोना महामारी को लेकर पिछले एक साल से अधिक समय से बॉर्डर सील ही है। बीते दो-तीन महीने से अवैध मार्ग से आने-जाने की थोड़ी बहुत छूट दी गई थी। दोनों देशों के लोगों को पैदल आने जाने दिया जाता था। अचानक सीमा बंद से कई लोग परेशानी में दिख रहे थे। बॉर्डर पर बिहार में 15 मई तक संपूर्ण लॉकडाउन की वजह से सख्ती और बढ़ा दी गई है।

जयनगर स्थित एसएसबी 48वीं बटालियन के कमांडेंट शंकर सिंह ने बताया कि बॉर्डर पहले से सील है। खुली सीमा रहने के कारण कुछ दिनों से लोग आ जा रहे थे। कोरोना महामारी को देखते हुए सख्ती बढ़ा दी गई है। वहीं, बीडीओ अरविन्द कुमार सिंह, सीओ सौरभ कुमार, हरलाखी थानाध्यक्ष प्रेमलाल पासवान व खिरहर थानाध्यक्ष अंजेश कुमार के नेतृत्व में अगल-अलग टीम गठन कर क्षेत्र में लॉकडाउन को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए क्षेत्र के सभी चौक चौराहों पर भ्रमण करना शुरू कर दिया है।

यूपी कैबिनेट ने स्वीकृत की कोरोना योद्धाओं की प्रोत्साहन राशि, अब मिलेगा 25 फीसद अतिरिक्त वेतन

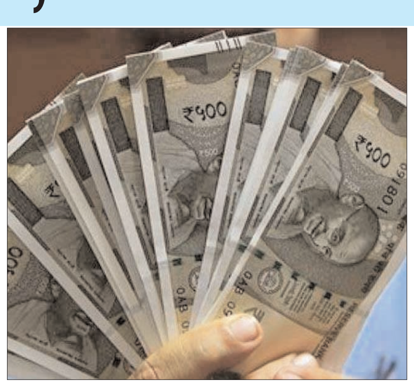

लखनऊ । कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या के मुकाबले मानव संसाधन आधे से भी कम है। इन हालात में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने कोविड ड्यूटी के लिए कोरोना योद्धाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अतिरिक्त मानदेय का फैसला किया है। डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और सफाई कर्मी ही नहीं, बल्कि लैब में कार्यरत कार्मिक और चिकित्सा छात्र-छात्राओं को भी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को बुधवार को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन स्वीकृति दे दी गई।

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चिकित्सा शिक्षा एवं चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में लगभग 2155 डॉक्टर, 3090 स्टाफ नर्स, 1540 वार्ड ब्वॉय और 1540 सफाईकर्मियों की आवश्यकता है, जबकि इससे कम मानव संसाधन ही उपलब्ध है। यही नहीं, कार्यरत सभी कर्मचारी भी विभिन्न कारणों से उपलब्ध नहीं हो पाते। ऐसे में सरकार ने कार्यरत डॉक्टर और कर्मचारियों को अतिरिक्त मानदेय देने का फैसला किया है, ताकि अतिरिक्त मानव संसाधन उपलब्ध हो सके।

पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना योद्धाओं के सेवाभाव की सराहना करते हुए अतिरिक्त मानदेय की व्यवस्था का निर्देश दिया था। चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कोविड अस्पतालों में कार्यरत डाक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ और सफाईकर्मियों (नियमित अथवा आउटसोर्सिंग) को वर्तमान में दिए जा रहे मूल वेतन और नियत मानदेय पर 25 फीसद अतिरिक्त प्रोत्साहन धनराशि का भुगतान किया जाएगा।

इसके अलावा एमबीबीएस इन्टर्न को 500 रुपये, एमएससी नर्सिंग छात्र-छात्राओं को 400 रुपये, बीएससी नर्सिंग छात्र-छात्राओं को 300 रुपये, एमबीबीएस अंतिम वर्ष और जीएनएम छात्र-छात्राओं को 300 रुपये प्रतिदिन दैनिक मानदेय पर तैनात किया जाएगा। वहीं, सैंपल की जांच के लिए लैब और उनसे संबंधित क्षेत्रों में तैनात किए जाने वाले मालिक्यूलर माइक्रोबायोलाजिस्ट, लैब टेक्नीशियन, डाटा एंट्री आपरेटर, लैब अटेंडेंट को इनके मूल वेतन या मानदेय की राशि पर दस फीसद अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने स्पष्ट किया कि यह प्रोत्साहन धनराशि चिकित्सा शिक्षा एवं चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले राजकीय चिकित्सालयों में ही लागू होगी। साथ ही यह पैसा कोविड वार्ड या लैब में ड्यूटी दिवसों के आधार पर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि एक्टिव क्वारंटाइन की अवधि को भी ड्यूटी दिवसों में ही जोड़ा जाएगा। फिलहाल यह योजना एक मई से 31 जुलाई तक के लिए है। फिर मुख्यमंत्री के अनुमोदन पर परिस्थितियों के अनुसार आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

अगरतला में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पश्चिम बंगाल में पार्टी कार्यकर्ताओं पर कथित हमले के विरोध में प्रदर्शन करते हुए।

गुवाहाटी में स्वास्थ्य कार्यकर्ता दाह संस्कार के लिए एक कोविड -19 मरीज के शव को ले जाते हुए।

बीकानेर में टीकाकरण केंद्र पर कोविड -19 वैक्सीन खुराक प्राप्त करने के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के लोग कतार में इंतजार करते हुए।

एक नजर

केरल में 8 से 16 मई तक लगा लॉकडाउन, कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का ऐलान

नई दिल्ली । कोरोना के बढ़ते मामलों पर काबू पाने के उद्देश्य से अब केरल में भी लॉकडाउन का ऐलान कर दिया गया है। कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए केरल में 8 मई सुबह 6 बजे से 16 मई तक लॉकडाउन लगाया गया है। इसकी जानकारी केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने दी है। इस दौरान सिर्फ अनिवार्य सेवाओं को ही छूट मिलेगी।बता दें कि केरल में कोरोना अब रिकॉर्ड बनाता जा रहा है। केरल में बुधवार को कोविड-19 के 41,953 नए मामले आए जो एक दिन में सर्वाधिक है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने स्थिति को गंभीर करार देते हुए कहा कि संक्रमण को रोकने के लिए और कड़े कदम उठाए जाएंगे। केरल में कोविड-19 के मामलों में प्रतिदिन हो रही वृद्धि के बीच राज्य सरकार ने जमीनी हालत से निपटने के लिए मेडिकल की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों और सरकारी अधिकारियों की तैनाती कर कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ उपायों को मजबूत करने का फैसला किया है। विजयन ने अधिकारियों के साथ हालात की समीक्षा करने के बाद कहा कि वार्ड स्तर की समितियों को मजबूत करने के निर्देश दिये जा रहे हैं तथा इलाके के मेडिकल छात्रों को त्वरित प्रक्रिया टीम में शामिल किया जाएगा। केरल में बुधवार को कोविड-19 के 41,953 नए मामले आए जो राज्य में एक दिन में आए मामलों के लिहाज से सर्वाधिक हैं। राज्य सरकार ने बताया कि गत 24 घंटे में 23,106 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या 17,43,932 हो गई है जिनमें से 13.62 लाख संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कोविड-19 मरीजों की संख्या रोजाना बढ़ रही है और इसकी वजह से ऑक्सीजन की मांग भी बढ़ गई है।

महाराष्ट्र में कोरोना के 57640 नए मामले और 920 मौतें, उद्धव ठाकरे बोले-कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयार

मुंबई । महाराष्ट्र में बुधवार को कोरोना के 57640 नए पॉजिटिव केस सामने आए, 57006 डिस्चार्ज हुए और 920 लोगों की मौतें हुई हैं। कुल मामले 48,80,542 हैं। कुल सक्रिय मामले 6,41,596 हैं। कुल 41,64,098 रिकवर हुए। कोरोना से 72,662 की मौत हो चुकी है। वहीं, मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3,879 नए मामले सामने आए, 3,686 रिकवर हुए और 77 मौतें हुई हैं। कुल मामले 6,65,299 हैं। कुल 5,98,545 रिकवर हुए। सक्रिय मामले 51,472 हैं। कोरोना से 13,547 की मौत हो चुकी है। इस बीच,सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि केंद्र सरकार के वैज्ञानिक निकाय द्वारा कोविड19 की तीसरी लहर के बारे में चेतावनी दी गई है। हम पिछले महीने से इससे लिए तैयारी कर रहे हैं। कई जिलों में कोविड मामलों में गिरावट देखी जा रही है, जबकि कुछ जिलों में बढ़ोतरी भी देखी जा रही है। हम इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

पिता की मौत के एक दिन बाद काम पर लौटे डाक्टर- पुणे के एक निजी अस्पताल में कार्यरत 45 वर्षीय डॉक्टर मुकुंद पेनुरकर अपने पिता के निधन के एक दिन बाद ही काम पर लौट आए। उनके पिता की कोविड-19 से मौत हो गई और उनकी मां व भाई अभी भी इस जानलेवा महामारी से जूझ रहे हैं। फिजीशियन पेनुरकर और उनकी पत्नी कोरोना पीड़ितों के इलाज में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि रोगियों की सेवा ही 85 वर्षीय उनके पिता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पेनुरकर ने कहा, पुणे में पिछले साल कोरोना वायरस मामले बढ़ गए थे। मैं और मेरी पत्नी पुणे में संजीवन अस्पताल में कोविड-19 मरीजों का इलाज कर रहे हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से मैंने अपने माता-पिता को नागपुर में अपने भाई के पास भेज दिया था, लेकिन कोविड-19 की वर्तमान दूसरी लहर में मेरा भाई पिछले महीने संक्रमित हो गया और उसके बाद माता-पिता भी पॉजिटिव हो गए। इससे पहले सोमवार को प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के 48621 नए मामले सामने आए हैं। प्रदेश में 59500 लोग डिस्चार्ज हुए और 567 लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हो चुकी है। सक्रिय मामले 6,56,870 हैं। कुल 70,851 की मौत हो चुकी है। इधर, मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 2,662 नए मामले सामने आए हैं। 5,746 लोग डिस्चार्ज हुए और 78 लोगों की मौत हुई है। सक्रिय मामले 54,143 है। कुल 13,408 मौतें हुईं हैं। इससे पहले रविवार को कोरोना के 56647 नए मामले सामने आए, 51356 डिस्चार्ज हुए और 669 मौतें हुईं हैं। सक्रिय मामले 6,68,353 हैं। कोरोना से 70,284 मौतें हुईं हैं। वहीं, मुंबई में कोरोना के 3,672 नए पॉजिटिव केस सामने आए, 5,542 डिस्चार्ज हुए और 79 मौतें हुईं। सक्रिय मामले 57,342 हैं। कोरोना से 13,330 की मौत हुई है।

ओडिशा में कोरोना फिर 10 हजार के पार, खुर्दा, कटक, सुंदरगढ़ जिलों में स्थिति गम्भीर

भुवनेश्वर । ओडिशा कोरोना संक्रमण एक बार फिर 10 हजार की सीमा को लांघ गया है। आज खुर्दा, सुंदरगढ़ तथा कटक जिले में सर्वाधिक संक्रमित मिलने के साथ ही इन जिलों में स्थिति अब गम्भीर हो गई है। जानकारी के मुताबिक प्रदेश में आज 10521 नये कोरोना संक्रमित मरीज सामने आने के साथ ही रिकार्ड 17 लोगों की कोरोना से मौत हो गई है। नए संक्रमित मरीजों में संगरोध केंद्र से 5945 तथा स्थानीय संक्रमण के 4576 मामले शामिल हैं। यह जानकारी राज्य सरकार के सूचना और जनसंपर्क विभाग ने ट्विट कर दी है। जानकारी के अनुसार हर दिन की तरह आज भी खुर्दा जिले में सर्वाधिक 1477 नए मरीज सामने आए हैं जबकि इसके बाद सुंदरगढ़ जिले में 1186, कटक जिले में 963 नए मामले सामने आए हैं। उसी तरह से अनुगुल जिले में 388, बालेश्वर जिले में 97, बरगढ़ जिले में 543, भद्रक जिले में 158, बलांगीर जिले में 314, बौद्ध जिले में 250, देवगढ़ जिले में 88, ढेंकानाल जिले में 88, गजपति जिले में 113, गंजाम जिले में 196, जगतसिंहपुर जिले में 217, जाजपुर जिले में 373, झारसुगुड़ा जिले में 314, कलाहांडी जिले में 571, कंधमाल जिले में 72, केंद्रापड़ा जिले में 121, केंदुझर जिले में 194, कोरापुट जिले में 182, मालकानगिरी जिले में 83, मयूरभंज जिले में 288, नवरंगपुर जिले में 404, नयागढ़ जिले में 224, नुआपड़ा जिले में 304, पुरी जिले में 319, रायगड़ा जिले में 140, संबलपुर जिले में 460, सोनपुर जिले में 112, स्टेटपूल में 282 कोरोना संक्रमित पाये गये हैं।राज्य स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश में एक तरफ जहां कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहे हैं वहीं दुसरी तरफ कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। प्रदेश में आज रिकार्ड 17 कोरोना संक्रमित मरीज की मौत हुई है और इसे मिलाकर कुल मृतकों की संख्या 2121 तक पहुंच गई है।आज जिन 17 लोगों की कोरोना से जान गई है उसमें खुर्दा जिले से सर्वाधिक 4 लोग शामिल हैं जबकि मालकानगिरी जिले से 2 तथा बालेश्वर जिले से 2 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा बौद्ध जिले से 1, देवगढ़ जिले से 1, झारसुगुड़ा जिले से 1, कालाहांडी जिले से 1, केन्दुझर जिले से 1, नयागढ़ जिले से 1, रायगड़ा जिले से 1, सम्बलपुर जिले से 1, सुन्दरगढ़ जिले से 1 व्यक्ति की मौत कोरोना से हुई है।

सामने आएगा बंगाल हिंसा का पूरा सच, जांच के लिए केंद्र सरकार ने गठित की 4 सदस्यीय टीम

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद हिंसा की घटनाओं को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। पहले सख्त लहजे में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ममता सरकार से बंगाल हिंसा पर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने को कहा और अब उसने इसकी जांच के लिए एक टीम ही गठित कर दी है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा के कारणों की पड़ताल करने और राज्य में जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए चार सदस्यीय दल का गठन किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव के नेतृत्व में दल पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हो गया है।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार को स्पष्ट तौर पर हा था कि राज्य सरकार द्वारा रिपोर्ट नहीं भेजने की सूरत में इस मामले को गंभीरता से लिया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक राज्य सरकार समय गवांए बिना ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने को भी कहा गया है। बता दें कि बंगाल में कथित हिंसा में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है।

केंद्र ने ममता सरकार से मांगी रिपोर्ट

बुधवार को भेजे गए स्मरण पत्र में गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से कहा कि तीन मई को राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा पर तत्काल रिपोर्ट तलब की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने अब तक रिपोर्ट नहीं भेजी है। पत्र में कहा गया कि नवीनतम सूचना के मुताबिक पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं नहीं रुकी हैं और इसका अभिप्राय है कि राज्य सरकार ने इन्हें नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं।

पत्र में कहा गया कि इसलिए बिना समय गवाएं इन घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल जरूरी कदम उठाने की जरूरत है। इसमें कहा गया कि तत्काल विस्तृत रिपोर्ट गृह मंत्रालय को भेजी जानी चाहिए। पत्र के मुताबिक, यदि राज्य सरकार रिपोर्ट नहीं भेजती है तो इस मामले को गंभीरता से लिया जाएगा।

बंगाल हिंसा में अब तक 6 की मौत

गौरतलब है कि आक्रामक चुनाव प्रचार के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की लेकिन रविवार को चुनाव नतीजे आने के बाद से ही पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में चुनाव बाद हुई हिंसा में मंगलवार तक कम से कम छह लोगों की मौत हो चुकी है।

जेपी नड्डा ने क्या दावा किया

भाजपा ने आरोप लगाया है कि तृणमूल कांग्रेस समर्थित गुंडों ने उसके कार्यकर्ताओं की हत्या की, महिला सदस्यों पर हमला किया, घरों में तोड़-फोड़ की और सदस्यों के दुकानों में लूटपाट एवं कार्यालय में आगजनी की। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को दावा किया है कि चुनाव के बाद हुई हिंसा में भाजपा के कम से कम 14 कार्यकर्ता मारे गए हैं और एक लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चुप्पी उनकी भूमिका बताती है।

ममता ने आरोपों को खारिज किया

ममता बनर्जी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जिन इलाकों में हिंसा और झड़प हो रही है, वहां पर भाजपा चुनाव जीती है। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद राज्य सचिवालय नबन्ना में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए बनर्जी ने कहा कि सोशल मीडिया पर हिंसा के जो वीडियो साझा किए जा रहे हैं उनमें से अधिकतर या तो फर्जी हैं या पुराने हैं। उन्होंने कहा, मैंने गौर किया है कि हिंसा और झड़प की घटनाएं उन्हीं इलाकों में हो रही हैं जहां पर भाजपा चुनाव जीती है। इन इलाकों को काले धब्बे की तरह देखा जाना चाहिए।

ये घटनाएं तब हुई जब कानून-व्यवस्था चुनाव आयोग के अधीन था- ममता

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये घटनाएं तब हुई जब कानून व्यवस्था निर्वाचन आयोग के अधीन था। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में गत तीन महीनों में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हुई है। कुछ छिटपुट घटनाएं हुई हैं और सभी वास्तविक नहीं हैं, उनमें अधिकतर फर्जी हैं। भाजपा पुराने वीडियो दिखा रही है। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ऐसी किसी भी स्थिति से कड़ाई से निपटे। बनर्जी ने कहा, यदि कोई भी किसी भी घटना में लिप्त पाया जाएगा तो हम उससे कड़ाई से निपटेंगे। हम यहां अराजक स्थिति सहन नहीं करेंगे।

5 राज्यों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर कपिल सिब्बल ने जताई चिंता, बोले- पार्टी को अपने अंदर झांकना चाहिए

नई दिल्ली । चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के कुछ दिनों के बाद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने अपनी ही पार्टी को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने अंदर झांकना चाहिए, क्योंकि बंगाल में एक भी सीट पर जीत नहीं मिली और असम के साथ-साथ केरल में भी पार्टी विफल रही। सिब्बल न कहा,हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। यह असम और केरेल में विफल रही। पार्टी पश्चिम बंगाल में एक भी सीट सुरक्षित नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, अब जब पार्टी की ओर से आवाज उठाई जा रही है, तो इस मामले पर गौर किया जाना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि वह कांग्रेस के प्रदर्शन के मुद्दे पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे और उचित समय पर इस मुद्दे पर बात करेंगे। उन्होंने कहा, हम अपने विचार पेश करेंगे। आज सभी दलों के सभी लोगों को कोविड-19 के बीच लोगों के जीवन को बचाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

देश में कोविड-19 स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पीएम को यह कहना चाहिए कि हम महामारी के खिलाफ इस संघर्ष को जीतेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव अलग बात है लेकिन यह जीवन और मृत्यु की लड़ाई है।

कपिल सिब्बल, जो कांग्रेस में विद्रोही जी-23 गुट का हिस्सा थे, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में सोनिया गांधी को एक पत्र में संगठनात्मक सुधार के लिए कहा था, ने पांच राज्यों में कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन को लेकर चिंता जाहिर की है। हालांकि उन्होंने कोरोना महामारी से निपटने को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने और जी -23 के अन्य नेताओं जैसे मनीष तिवारी, गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए बधाई दी है।

जब सवाल किया गया कि कांग्रेस के नेता ममता बनर्जी को झांसी की रानी क्यों कह रहे हैं? तो उन्होंने कहा, जब पीएम 2019 का लोकसभा चुनाव जीते थे, तो तो मैंने उन्हें बधाई दी थी। उन्हें झांसी की रानी नहीं कहा जा सकता था। वह गोलियाथ थे। हमें जीतने वाले नेताओं को बधाई देनी चाहिए। केंद्र ने जीत के लिए सब कुछ किया और चुनाव आयोग ने मदद की। इसके बावजूद, अगर ममता बनर्जी दो तिहाई बहुमत से चुनाव जीतती हैं तो तो उन्हें झांसी की रानी कहा जाना चाहिए।

आपको बता दें कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अभी-अभी संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 213 सीटें जीतीं। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में 77 सीटों पर कब्जा जमाया है। कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन का खाता तक नहीं खुला है।

भारत में अभी भी धीमा है 18+ लोगों का टीकाकरण, सिर्फ 11 राज्यों में हुई है शुरुआत

नई दिल्ली। भारत में एक मई से 18 से 44 वायु वर्ग के लोगों के लिए टाकीकरण अभियान की शुरुआत की गई। शुरू में वैक्सीन की कमी के कारण कई राज्यों में देरी से इसकी शुरुआत हुई है। हालांकि अभी भी कई राज्यों के लोगों को इसके लिए इंतजार करना पड़ रहा है। आपको बता दें कि इस वायु वर्ग के 12 राज्यों में पांच दिनों में लगभग सात लाख व्यक्तियों ने अपनी पहली खुराक प्राप्त की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 18-44 वर्ष के 671,285 लाभार्थियों को 12 राज्यों में कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक मिली। 18 से 44 वर्ष के बीच के वयस्कों का टीकाकरण शुरू करने वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ (1,026), दिल्ली (82,000), गुजरात (161,625), जम्मू और कश्मीर (10,885), हरियाणा (99,680), कर्नाटक (3,840), महाराष्ट्र हैं। (111,621), ओडिशा (13,768), पंजाब (908), राजस्थान (130,071), तमिलनाडु (4,577) और उत्तर प्रदेश (51,284) शामिल है।

आपको बता दें कि सोमवार को जारी अनंतिम सरकारी आंकड़ों के अनुसार अभी तक कुल मिलाकर 160,494,188 वैक्सीन खुराक को 2,366,349 सत्रों के माध्यम से लोगों को दिया गया है। इनमें लगभग 9,462,505 हेल्थकेयर वर्कर्स शामिल हैं, जिन्होंने पहली खुराक ली है। इसके अलावा 6,322,055 हेल्थकेयर वर्कर्स ने दूसरी डोज़ ले ली है।

भारत में लगभग 13,565,728 फ्रंटलाइन वर्कर को अपनी पहली वैक्सीन खुराक मिली है। इसके अलावा लगभग 7,332,999 को अब तक पूरी तरह से टीका लगाया गया है। देश में 60 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 12,385,466 बुजुर्गों को पूरी तरह से टीका लगाया जा चुका है। भारत ने इस साल 16 जनवरी को राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू किया। खुराक प्राप्त करने वाली पहली श्रेणी में स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल थे। 2 फरवरी से सरकार ने सभी फ्रंटलाइन श्रमिकों के लिए भी टीकाकरण अभियान की शुरुआत कर दी।

देर रात आसाराम बापू की बिगड़ी तबियत, आईसीयू में किया भर्ती, कोरोना पॉजिटिव होने पर संशय

जोधपुर । अपने ही गुरुकुल की नाबालिग छात्रा से यौन दुराचार के मामले में सजायाफ्ता कथावाचक आसाराम की बुधवार देर रात तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उसे जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल के आपातकाल इकाई लाया गया। प्रारंभिक जांच के बाद आसाराम को गांधी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया है चिकित्सकों के अनुसार आसाराम की स्थिति को देखते हुए उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया है जहां उन्हें आगे का उपचार दिया जाएगा।

आसाराम के गांधी अस्पताल लाए जाने पर अस्पताल पर पुलिस बढ़ा दिया गया। हालांकि आसाराम के कोरोना पॉजिटिव होने को लेकर अभी तक संशय है हालांकि जेल की पूर्व सूची में कैदियों के पॉजिटिव रोगियों की संख्या में आसाराम का नाम भी शामिल है लेकिन यहां अस्पताल में भर्ती होने पर आसाराम की पुनः जांच की जाएगी। गांधी अस्पताल लाए जाने पर आसाराम की प्रारंभिक जांच करने वाले चिकित्सक डॉ अरविंद दाधीच के अनुसार आसाराम किसी प्रकार की दवाई इत्यादि लेने से मना कर रहा है, और पूर्व जांच रिपोर्ट जेल प्रशासन से उपलब्ध होने पर पता चल पाएगा। फिलहाल आसाराम को जोधपुर के गांधी अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है।

आसाराम पिछले कई वर्षों से जोधपुर के केंद्रीय कारागृह में में बंद है। पहले वह विचाराधीन बंदी था लेकिन यौन शोषण के आरोप साबित होने के बाद वह सजा भुगत रहा है। वही कुछ मामले अभी विचाराधीन है।

आसाराम की एक बार फिर से तबियत बिगड़ने पर भारी सुरक्षा इंतज़ामों के बीच उसे महात्मा गांधी अस्पताल लाया गया जहां तत्काल उस का उपचार शुरू कर दिया गया।आसाराम के आने से पहले ही आसाराम के आने की खबर न केवल अस्पताल प्रशासन बल्कि शहर के मीडिया और अन्य हलकों में भी तेजी से फैल गई थी। आसाराम को अस्पताल लाते ही तत्काल चेक किया गया और औपचारिकताओं के बाद उसको सघन चिकित्सा कक्ष में पहुंचा दिया गया।

आज करोना काल में जहां आम आदमी पहले अस्पताल में एडमिशन के लिए और फिर साधारण ऑक्सीजन वाले बेड की जद्दोजहद के लिए संघर्ष करता नजर आता है वहीं यौन शोषण के सजायाफ्ता मुजरिम आसाराम के लिए डॉक्टरों और प्रशासन का पैरों पर खड़े रहना, मात्र कुछ मिनट तक के लिए चेक करना और तत्काल सघन चिकित्सा इकाई में बेड उपलब्ध करा देना कई सवाल छोड़ रहा है।

सवाल ये उठ रहा है कि आसाराम को जब इतना जल्दी आईसीयू बेड मिल सकता है तो आम आदमी को क्यों नहीं ? आम चर्चा यह भी है कि यदि कोरोना काल में आम आदमी को भी ऐसे ही तवज्जो दी जाती, ऐसे ही चेकअप किया जाता तो कोरोना काल में मरने वालों की संख्या बहुत कम होती।

आसाराम बीमार होने और आईसीयू तक पहुंचने के घटनाक्रम से एक बार फिर यह सवाल उठ रहा है कि क्या शासन हो या प्रशासन पुलिस हो या चिकित्सा विभाग सभी वीआईपी कल्चर के सेवक हैं ?

भारत में घुसने की हिम्मत कर रहा था पाकिस्तानी घुसपैठिया, बीएसएफ ने बॉर्डर पर ही मार गिराया

जम्मू । सीमा सुरक्षा बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सांबा सेक्टर में 200 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को सीमा सुरक्षा बल ने गोली मार दी। उन्होंने कहा, बुधवार और गुरुवार की मध्यरात्रि (2.35 बजे) के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने एक सीमा चौकी के पास एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को देखा। उसने हमारे क्षेत्र में लगभग 100 मीटर अंदर प्रवेश किया। उसने हमारे सैनिकों द्वारा रोकने और बाद में गोली चलाने की चेतावनी को बार-बार नजरअंदाज किया। डेड बॉडी अभी भी वहीं पड़ी है।

हालांकि, घुसपैठिए की पहचान के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। आपको बता दें किसी तरह की एक घटना में, बीएसएफ ने 2 और 3 मई की रात को पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारतीय सीमा पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया था। भारत और पाकिस्तान के बीच 24 से 25 फरवरी की मध्य रात्रि को युद्ध विराम की घोषणा की गई थी। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियानों के निदेशक जनरलों के बीच चर्चा के बाद दोनों पक्ष नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अन्य सभी क्षेत्रों में गोलीबारी रोकने पर सहमत हुए थे।

कश्मीर में मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए, एक ने किया आत्मसमर्पण

जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में बृहस्पतिवार को एक मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए जबकि एक आतंकवादी ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों को दक्षिण कश्मीर के कनिगम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी जिसके बाद रात में इलाके की घेराबंदी की गई और तलाश अभियान चलाया गया।

उन्होंने बताया कि जैसे ही अल-बद्र संगठन के चार नए स्थानीय आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पता चला तो सुरक्षाबलों ने अत्यधिक संयम बरता और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए मनाने की पूरी कोशिश की। अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण की पेशकश ठुकरा दी और गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने सुरक्षाबलों पर एक हथगोला भी फेंका। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

रक्तदान के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करेगा मानवता की सेवा

अजमेर । आरएसएस रक्तदान शिविर लगाकर कोरोना से पीड़ितों को रक्त उपलब्ध कराकर मानवता की सेवा करेगा। आरएसएस छह मई से 14 मई तक अजमेर शहर के विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन करेगा, जिसमें संघ के स्वयंसेवक सहित समाज के बंधु रक्तदान कर कोरोना पीड़ितों को रक्त उपलब्ध करवाकर मानवता की सच्ची सेवा करेंगे। महानगर संघचालक सुनील दत्त जैन ने मीडिया को बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोरोना महामारी के दौर में मानवता की सेवा के लिए विभिन्न प्रकार के सेवा प्रकल्प संघ के अनुषांगिक संगठन व समाज के साथ मिलकर वर्तमान में कर रहा है। वर्तमान समय में कोरोना पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है अस्पतालों को ऑक्सीजन, रक्त सहित जीवन रक्षक औषधियां व संसाधनों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

छह से 14 मई तक रक्तदान शिविर- ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छह मई से 14 मई तक अजमेर शहर के विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन करेगा जिसमें संघ के स्वयंसेवक सहित समाज के बंधु रक्तदान कर कोरोना पीड़ितों को रक्त उपलब्ध करवाकर मानवता की सच्ची सेवा करेंगे। जैन ने सभी अजमेर वासियों से आह्वान किया है की महामारी के इस दौर में समाज का प्रत्येक व्यक्ति मिलकर कोरोना को मात देगा। इस रक्तदान शिविर में संघ के स्वयंसेवक तो भाग लेंगे ही साथी समाज का प्रत्येक व्यक्ति जो रक्त दान देने के लिए क्षमता और साहस रखता है। वह शिविर में पहुंचकर अपनी जांच करवा कर समाज सेवा के इस पुण्य कार्य में अपनी आहुति दे सकता है। जैन ने बताया कि रक्तदान का इच्छुक व्यक्ति दूरभाष पर अपनी स्वीकृति प्रदान कर सकता है। साथ ही, अन्य अनेक नगरों में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगामी दिनों में रक्तदान शिविर का आयोजन करेगा।

जाह्नवी कपूर

ने कोरोना संकट के बीच शेयर किया लेटेस्ट फोटोशूट, कैप्शन में दी सफाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। इन दिनों वो अपने एकाउंट पर पोस्ट शेयर कर कोरोना से जूझ रहे लोगों के लिए मदद मांगती दिख रही हैं। वहीं इस बीच जाह्नवी द्वारा किया गया एक पोस्ट जबरदस्त सुर्खियों में आ गया है, जिसमें उन्होंने अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, कोरोना संकट के बीच इस फोटोशूट को शेयर करते हुए जाह्नवी कपूर ने कैप्शन के जरिए सफाई भी दे दी है। ये एक मैग्जीन कवर की तस्वीर है, जिसमें जाह्नवी बिकिनी टॉप में पोज देती दिखाई दे रही हैं।

मैग्जीन कवर में बोल्ड अंदाज

जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक ट्रैवल मैग्जीन का कवर शेयर किया है। जिसमें वो सिल्वर रंग के बिकिनी टॉप में सिजलिंग अंदाज में पोज देती दिखाई दे रही हैं। जाह्नवी अपने बोल्ड अंदाज से पानी के अंदर आग लगाती दिखाई दे रही हैं। जिसे फैंस खूब पंसद कर रहे हैं और कई सेलेब्रिटीज ने कमेंट के जरिए उनकी तारीफें की हैं।

कैप्शन में दी सफाई

इस फोटो को शेयर करते हुए जाह्नवी ने कैप्शन में सफाई भी दे दी है। उन्होंने अपने फैंस को भरोसा दिलाया है कि वो लॉकडाउन के दौरान पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया है कि ये पोस्ट उनके काम का हिस्सा है और पहले से ही तय हो चुका था। उन्होंने लिखा- %प्री कमिटेड पोस्ट और इसे लॉकडाउन से पहले शूट किया गया था। हम सभी पूरी तरह से सेफ और सतर्क हैं। उम्मीद करती हूं कि आप सब भी सुरक्षित और मजबूत होंगे।

बौखलाईं कंगना रनौत

बोलीं- अमेरिकन को लगता है, अश्वेत को गुलाम बनाना उनका हक है

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत (Kangana Ranaut) ने अपना ट्विटर अकाउंट सस्पेंड करनेपर तीखी प्रतिक्रिया जताई है. उन्होंने कहा है कि, ट्विटर ने केवल मेरी इस बात को साबित किया है कि वे अमेरिकी हैं और जन्म से एक व्हाइट परसन को लगता है कि एक ब्राउन परसन को गुलाम बनाना उसका हक है. वे आपको बताना चाहते हैं कि आपको क्या सोचना है, बोलना या क्या करना है. मेरे पास कई प्लेटफॉर्म हैं जिनका उपयोग मैं अपनी आवाज उठाने के लिए कर सकती हूं, जिसमें सिनेमा के रूप में मेरी आर्ट भी शामिल है.

बंगाल चुनाव में बीजेपी की हार और तृणमूल कांग्रेस (TMC) ·¤è जीत के बाद से कंगना रनौत (Kangana Ranaut) लगातार विवाद को भड़काने वाले बयान दे रही हैं. उन्होंने तो कश्मीर से बंगाल की तुलना करके और ममता बनर्जी को खून की प्यासी ताड़का तक कह दिया था. यही नहीं उन्होंने भारत सरकार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की सलाह भी दे दी थी. ट्विटर अकाउंट सस्पेंड होने के बाद कंगना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना दर्द बयां किया है.अपने दूसरे ट्वीट में कंगना ने लिखा है कि, %मेरा दिल इस देश के उन लोगों पर चला जाता है जिन्हें हजारों साल तक यातना, गुलाम और सेंसर किया गया, और अभी भी उनके दुख का कोई अंत नहीं है. ट्विटर ने भी कंगना के अकाउंट सस्पेंशन को लेकर ट्वीट किया है. ट्विटर ने बताया है कि, %हमें स्पष्ट हो गया है कि हम व्यवहार पर स्ट्रांग एन्फोर्समेंट एक्शन लेंगे, जिसमें ऑफलाइन नुकसान पहुंचाने की क्षमता है. कंगना के अकाउंट को ट्विटर नियमों के बार-बार उल्लंघन के लिए स्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया है. विशेष रूप से हेटफुल कंडक्ट पॉलिसी और बिहेवियरल पॉलिसी के आधार पर यह कार्रवाई की गई है.हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के मुताबिक, कंगना का ट्विटर अकाउंट पर्मानेंटली सस्पेंड कर दिया गया है. ट्विटर के प्रवक्ता ने साफ किया कि हम स्ट्रांग एन्फोर्समेंट एक्शन करेंगे, जिसमें ऑफलाइन नुकसान पहुंचाने की क्षमता है. ट्विटर नियमों के बार-बार उल्लंघन करने की वजह से ये एक्शन लिया गया है. हम हर ट्विटर यूजर पर निष्पक्ष रूप से अपने नियमों को लागू करते हैं.

दीपिका पादुकोण के पूरे परिवार को हुआ कोरोना, पापा प्रकाश पादुकोण अस्पताल में एडमिट

देश भर में कोरोना वायरस (Coronavirus) का दूसरा वेव कहर बरपा रहा है. अब तक इस वायरस ने देश के 2 लाख 20 हजार से अधिक लोगों को असमय मौत दे चुका है. देश भर में ऑक्सीजन की कमी के कारण दूसरी लहर में मौतें अधिक हो रही हैं. हॉस्पिटल में बेड, ऑक्सीजन, कुछ इंजेक्शन और दवाओं की कमी की खबरें लगातार आ रही हैं. मेडिकल सुविधाओं के अभाव में कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है. कोरोना के इस दूसरे वेव से आम लोगों के साथ-साथ बड़े एक्टर भी वायरस से संक्रमित हो रहे हैं.

ऐसे में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) के पिता प्रकाश पादुकोण (Prakash Padukone) भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं. उनके साथ-साथ दीपिका की मां और बहन भी इस वायरस से संक्रमित हो गए हैं. एक्ट्रेस के पिता प्रकाश पादुकोण को संक्रमण से मुक्त कराने के लिए हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है.

दरअसल बॉलीवुड के कई कलाकार कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं. इनमें रणबीर कपूर, कार्तिक आर्यन, मनोज बाजपेयी, आर. माधवन, परेश रावल, आमिर खान, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, गोविंदा, पूजा हेगड़े, कुमुद मिश्रा और हिना खान इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं. इनमें से अनेक कलाकार कोरोना वायरस के संक्रमण को मात दे चुके हैं.

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण जल्दी ही फिल्म %83% में दिखाई देंगी. फिल्म में रणवीर सिंह, कपिल देव का किरदार निभाते दिखेंगे, तो वहीं दीपिका, कपिल देव की पत्नी के किरदार में दिखेंगी. दीपिका पादुकोण शाहरुख खान के साथ फिल्म %पठान% में भी नजर आएंगी. इसके अलावा वह शकुन बत्रा की एक फिल्म में भी दिखेंगी. इन दोनों फिल्मों के अलावा दीपिका पहली बार ऋतिक रोशन के साथ फिल्म फाइटर में नजर आएंगी.

सपना चौधरी ने टीवी पर अपना गाना चलाकर लगाया पोछा, बेड पर दिखी बेटे की झलक

सपना चौधरी ऑनस्क्रीन आती हैं तो लोगों को खूब एंटरटेन करती हैं। उनके फैन्स उनकी निजी जिंदगी के बारे में जानने के लिए भी काफी एक्साइटेड रहते हैं। बीते साल उन्होंने वीर शाहू से शादी की और एक बेटे की मां भी बन गईं। डिलीवरी के बाद ब्रेक लेकर वह काम पर वापसी भी कर चुकी हैं। सपना सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह घर पर पोछा लगाती दिख रही हैं।

सपना चौधरी का दिखा देसी स्टाइल

सपना चौधरी दिल से देसी हैं और इस बात पर उनको गर्व भी है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह अपने घर पर पोछा लगाती दिख रही हैं। कमरे में टीवी चल रहा है जिस पर सपना का गाना घुंघरू दिखाई दे रहा है। पास में बिस्तर पर उनके बेटे के पैर भी दिख रहे हैं।

बीते साल दिया था बेटे को जन्म

सपना ने लिखा है, कभी-कभी आपको अपनी कंपनी एंजॉय करने के लिए कुछ वक्त चाहिए होता है। बीते साल अक्टूबर में सपना चौधरी ने बेटे को जन्म दिया था। लोगों को उनकी प्रेग्नेंसी की खबर नहीं थी अचानक मां बनने की खबर से सब हैरान थे। सपना के पति वीर साहू ने बताया था कि उन्होंने जनवरी में सपना से शादी की थी। वहीं सपना की मां ने कहा था कि शादी की खबर इसलिए किसी को नहीं दी गई थी क्योंकि वीर के फूफा का निधन हो गया था।

लवलीना और सिमरनजीत के साथ अभ्यास करेंगी मैरी कॉम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की अनुभवी महिला मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ओलंपिक के लिए तैयारियों के तहत दो अन्य महिला मुक्केबाजों के साथ पुणे स्थित सेना खेल संस्थान (एएसआई) में अभ्यास करेंगी। मैरी कॉम यहां लवलीना बोरगोहेन और सिमरनजीत कौर के साथ अभ्यास करेंगी। इन दोनों ने भी ओलंपिक क्वालीफाई किया है। यह तीनों ही पृथकवास पूरा करने के बाद यहां अभ्यास शुरू करेंगी। इसके लिए मुक्केबाजों को तीन अलग-अलग समूहों में रखा जाएगा, जिनमें से प्रत्येक के साथ दो-दो भागीदारों (स्पैरिंग पार्टनर) को रखा जाएगा जिससे संक्रमण का जोखिम कम किया जा सके। इसके अलावा ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी एक अन्य मुक्केबाज पूजा रानी बेल्लारी के इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में प्रशिक्षण लेना जारी रखेंगी।

मैरी कॉम को हालांकि उनके कोच और पूर्व मुक्केबाज छोटे लाल यादव की सेवाएं नहीं मिलेंगी। वह पिछले महीने इस वायरस से संक्रमित होने के बाद से पृथकवास में है। अगले कुछ दिनों में नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद उनके शिविर में शामिल होने की उम्मीद है। मैरी कॉम ने कहा, मैं आज जा रही हूं। अभ्यास शिविर का इंतजार कर रही हूं। कुछ समय में छोटे ठीक हो जाएंगे। मुझे उम्मीद है कि वहां अभ्यास के दौरान मेरा टीकाकरण हो जाएगा। उन्होंने कहा, दिल्ली शिविर के निलंबन के बाद अभ्यास करना मुश्किल हो गया था, लेकिन उम्मीद है कि अब यह वापस पटरी पर आ जाएगा। मैं एएसआई में मौजूद पुरुष मुक्केबाजों के साथ भी प्रशिक्षण ले सकती हूं, मैं नियमित रूप से इस तरह का अभ्यास करती हूं ताकि लय में रहूं। मुक्केबाजों के लिए अगला बड़ा टूनार्मेंट एशियाई चैम्पियनशिप है। इसका आयोजन पहले दिल्ली में होना था लेकिन कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण इसे दुबई में 21 मई से कराया जाएगा।

मैड्रिड में महिलाओं के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में खेलते हुए अमेरिका की जेसस गैलार्डा व अमेरिका की राइट फिलिप।

तीन साल पहले मिली भी मुंबई को सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीन साल पहले साल2017 में सबसे बड़ी जीत 146 रनों से मिली थी। उस समय उसे यह जीत दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ मिली थी जिसे अब दिल्ली कैपिटल्स के नाम से जाना जाता है।

दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ खेले गए इस आईपीएल मैच में मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी। तब टीम की शुरूआत अच्छी रही और पहली विकेट के लिए लेंडल सिमंस और पार्थिव पटेल के बीच 79 रन की साझेदारी हुई। पटेल ने 22 गेंदों पर 25 रन बनाए और आउट हो गए। इसके बाद कीरोन पोलार्ड ने शानदार पारी खेलते हुए 35 गेंदों पर 63 रन बनाए। वहीं सिमंस ने भी 43 गेंदों पर 66 रन बनाए थे। वहीं आलराउंडर हार्दिक पांड्या ने रोहित शर्मा (10) के आउट होने के बाद 14 गेंदों में 29 रन की पारी खेली और दिल्ली को 213 रन का लक्ष्य दिया।

वहीं इस बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरूआत अच्छी नहीं रही। मैच की शुरूआत से ही मुंबई के गेंदबाज खासकर हरभजन सिंह और कर्ण शर्मा दिल्ली पर हावी रहे और उन्होंने 22 और 11 रन देकर 3-3 विकेट अपने नाम किए। वहीं लसिथ मलिंगा ने भी केवल 5 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। इस तरह मुंबई के गेंदबाजों ने दिल्ली को मात्र 66 रन पर आउठ कर दिया और दिल्ली को आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी जीत मिल गयी।

योग और ध्यान के जरिये नकारात्मक विचारों से दूर रहते हैं पुजारा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टीम इंडिया के टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा कोरोना महामारी के इस दौर में नकारात्मक विचारों से दूर रहने के लिये योग और ध्यान करने के अलावा अपने अध्यात्मिक गुरू से सलाह लेते हैं। पुजारा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफलता की कुंजी दबाव का सामना करना है।

उन्होंने कहा, एक बार नकारात्मक सोचने पर सब कुछ नकारात्मक लगने लगता है। इसलिए मैं योग और ध्यान का सहारा लेता हूं। रोज प्रार्थना करता हूं जिससे मेरी सोच सकारात्मक बनी रहती है। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा भी था जब मुझे लगता था कि मैं दबाव में नहीं खेल पाऊंगा। साथ ही कहा, खेल के शुरूआती दिनों में मैं अपनी मां के पास जाकर उनके सामने रोता था और कहता था कि इतने दबाव के कारण मैं क्रिकेट नहीं खेल सकूंगा पर अब मुझे दबाव का सामना करना आ गया है। गौरतलब है कि पुजारा जब 17 साल के थे तभी उनकी मां का निधन हो गया था।

भारत के लिए अंतिम ग्यारह का चयन होगा कठिन : कॉलिन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने कहा है कि जून में इंग्लैंड में होने वाली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के लिए अंतिम ग्यारह का चयन आसान नहीं रहेगा।

आईसीसी के ट्विटर अकाउंट पर इस कीवी ऑलराउंडर ने लिखा कि जितने खिलाड़ी भारत के पास है, वो सभी विभागों को अच्छे हैं। इसलिए मेरा मानना है कि उनके लिए लिए सबसे कठिन अंतिम ग्यारह का चयन रहेगा। गौरतलब है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 18 जून से 22 जून तक खेला जाएगा। इसमें 23 जून को रिजर्व डे रखा गया है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल पहले ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान में खेला जाना था पर कोविड 19 के खतरे को देखते हुए अब इसे साउथेम्प्टन में आयोजित किया जाएगा।

भारतीय टीम ने आईपीएल से ठीक पहले चार टेस्ट मैचों की सीरीज में इंग्लैंड को 3-1 से हराने के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया था। आईपीएल में इस समय न्यूजीलैंड के कई खिलाड़ी भी खेल रहे हैं। माना जा रहा है कि ये साथ ही इंग्लैंड के टूर पर जाएंगे। कीवी ऑलराउंडर कॉलिन अभी फिट नहीं होने के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं।

बुमराह ने जन्मदिन पर स्पोर्ट्स प्रेजेंटर संजना को बधाई दी

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपनी पत्नी संजना गणेशन को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। बुमराह ने और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर रही संजना को जन्मदिन की बधाई देते हुए अपने प्यार को भी व्यक्त किया है। बुमराह ने संजना को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें संजना बुमराह को किस करती हुई नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए बुमराह ने लिखा, उस व्यक्त को जन्मदिन मुबारक हो, जो मेरा दिल रोज चुराता है। तुम मेरी हो आई लव यू। बुमराह और संजना की शादी हाल ही में 15 मार्च को गोवा में हुए एक निजी समारोह में हुई थी। वहीं अपनी शादी के लिए बुमराह ने इंग्लैंड के दौरे पर चौथे टेस्ट मैच से अपना नाम वापस ले लिया था। गौरतलब है कि बुमराह को शादी के लिए बीसीसीआई ने छुट्टी भी दी थी, जिसके कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में भी नहीं खेल पाये थे। शादी के बाद जसप्रीत बुमराह और संजना गणेशन दोनों ने ही इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सत्र में वापसी की थी।

बुमराह आईपीएल में मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं जबकि संजना स्टार स्पोर्ट्स के लिए प्रेजेंटर हैं। हालांकि, कोरोना वायरस की वजह से आईपीएल 2021 अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया है। बुमराह और संजना दोनों ने ही पिछले महीने अपनी शादी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं और साथ ही प्रशंसकों के साथ यह खुशखबरी भी साझा की थी।

धोनी की कप्तानी में खेलना चाहता है यह युवा क्रिकेटर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। युवा क्रिकेटर मोक्ष मुर्गई आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेलना चाहते हैं। मोक्ष ने 7 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था और अपनी प्रतिभा से वह यहां तक पहुंचे हैं। 21 वर्षीय दाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब राज्य स्तर पर एक बेहतरीन क्रिकेटर माना जाता है। मोक्ष ने लखनऊ 2018-19 के एक टूनार्मेंट में कहा कि उसने कभी भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का मौका नहीं छोड़ा और मैदान पर जोखिम मोल लेते हुए रन बनाये हैं। खेल के प्रति इस खिलाड़ी का आत्म नियंत्रण, आश्वासन और उत्साह उसकी विशाल प्रदर्शनियों और उपलब्धियों में स्पष्ट नजर आ रहा है।

वह अपने को बेहतर बनाने के लिए शुरू से प्रयासरत रहा है। पीठ की चोट भी उसे अपने उद्देश्यों को पूरा करने से नहीं रोक सकी थी। वह फिट नहीं होने के कारण 6 महीने के लिए मैदान से बाहर थ पर अपने प्रयासों के जरिये उसने वापसी की।

मोक्ष के नाम डीडीसीए ग्रुप 2018-19 में 800 से अधिक रन और 20 से ज्यादा विकेट हैं। इसके अलावा, घरेलू क्षेत्र में 30 से अधिक शतक के साथ 50 से अधिक अर्धशतक हैं। इसके अलावा उसने टीम हंटर्स के साथ कॉर्पोरेट क्रिकेट खेलना शुरू किया। उनके लिए मैच जीतना और मैन ऑफ द मैच का टैग मिलना उनकी रोज की रुचि बन गई है। उनका परिवार लगातार अपने गुरुओं के साथ-साथ उनकी क्षमताओं और सपनों में बड़े पैमाने पर विश्वास रखने में उनकी सबसे बड़ी मदद रहा है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक रन वार्नर के नाम रहे

मुम्बई, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सत्र को कोरोना महामारी के कारण निलंबित कर दिया गया है। इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के डेविड वार्नर लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा बार सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए वार्नर रिकार्ड 30 बार शीर्ष स्कोरर रहे हैं और इस मामले में उनके आस-पास कोई भी नहीं है। इस सूची में दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान विराट कोहली हैं। विराट 24 बार लक्ष्य करने के दौरान शीर्ष स्कोरर रहे हैं। वहीं तीसरे नम्बर पर पांच बार के आईपीएल विजेता टीम के कप्तान रहे रोहित शर्मा हैं। रोहित लक्ष्य प्राप्ति के दौरान 22 बार शीर्ष स्कोरर रहे हैं।

खिलाड़ियों को बच्चे के जन्म के समय पेड लीव मिलेगी : पीसीबी

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक अहम फैसला करते हुए अपनी नई अभिभावक समर्थन नीति बनायी है। इस नीति के तहत महिला और पुरुष दोनों खिलाड़ियों को बच्चे के जन्म के समय पेड लीव मिलेगी। इस नीति के तहत, महिला क्रिकेटरों को एक साल का सवेतन अवकाश मिलेगा और उनके पास अपने बच्चे के जन्म तक अग्रणी मातृत्व अवकाश शुरू होने तक गैर-खेल भूमिका में स्थानांतरित करने का विकल्प भी होगा।

पीसीबी ने कहा, महिला क्रिकेटरों को भी मातृत्व अवकाश के लिए 12 महीने का अवकाश मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें अनुबंध व्यवस्था के अनुरूप अगले वर्ष के लिए अनुबंध विस्तार की गारंटी दी जाएगी। साथ ही कहा, मातृत्व अवकाश के समापन पर, खिलाड़ी को क्रिकेट गतिविधियों में फिर से शामिल किया जाएगा और उनके प्रसव के बाद के पुनर्वास के संबंध में पर्याप्त चिकित्सा और शारीरिक सहायता भी मिलेगी। । इसके साथ ही पीसीबी खिलाड़ी को उसकी पसंद के समर्थन वाले व्यक्ति के साथ यात्रा करने की अनुमति देगा जिससे वह बच्चे की देखभाल में सहायता कर सके। यात्रा और आवास की लागत को समान रूप से साझा किया जाएगा।

नई नीति के तहत पुरुष खिलाड़ियों को 30 दिनों के लिए पूरी तरह से छुट्टी देने की अनुमति दी गई है, जिसे उनके बच्चे के जन्म के 56 दिनों के अंदर पॉलिसी के तहत कवर किए गए पितृत्व अधिकारों के हिस्से के रूप में लेना होगा। पीसीबी के सीईओ वसीम खान ने कहा कि बोर्ड का अपने क्रिकेटरों की देखभाल का दायित्व है और हर समय उनका सहायोग किया जाएगा। इसी के लिए खिलाड़ी के अनुकूल अभिभावक समर्थन नीति लायी गयी है जिससे पेशेवर खिलाड़ी अपने करियर की चिंता किए बिना खेल सकें।

ऑनलाइन निशानेबाजी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे स्ट्रेंपफल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रिया के मार्टिन स्ट्रेंपफल टॉपगन आनलाइन निशानेबाजी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंच गये हैं। स्ट्रेंपफल ने सेमीफाइनल में अमेरिका के लुकास कोजेनिस्की को 2-1 से हराया। स्ट्रेंपफल का मुकाबला फाइनल में ओलंपिक चैंपियन अमेरिका के गैरी थ्रेशर और सर्बिया के मिलेंको सेबिच के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं फाइनल में जगह बनाकर उत्साहित स्ट्रेंपफल ने अपनी जीत का श्रेय खराब शुरूआत के बाद भी संयम से खेलने को दिया है। वहीं दूसरी ओर उनके विरोधी कोजेनिस्की गल्तियों से उबर नहीं पाये। उन्होंने कहा, मैंने कुछ गल्तियां की और कुछ अंक गंवाए जिससे मार्टिन ने लाभ फायदा उठाया।

पाक के पूर्व तेज गेंदबाज जुनैद ने टीम की पोल खोली

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज जुनैद खान ने एक सनसनीखेल आरोप लगाते हुए कहा है कि पाक क्रिकेट में कप्तान के करीबियों को ही अवसर मिलते हैं। जुनैद ने कहा कि इसलिए अपने भविष्य को लेकर खिलाड़ियों में असुरक्षा का भाव रहता है। जुनैद ने साथ ही कहा कि राष्ट्रीय टीम में अधिकतर खिलाड़ियों को तभी अवसर मिलते हैं, जब वे कप्तान और टीम प्रबंधन के करीब होते हैं। पाक की ओर से 22 टेस्ट, 76 एकदिवसीय और आठ टी20 मैचों में लगभग 190 विकेट लेने वाले जुनैद को मई 2019 के बाद से ही किसी भी प्रारूप के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। जुनैद ने एक साक्षात्कार में कहा, अगर आपके कप्तान और टीम प्रबंधन के साथ अच्छे रिश्ते हैं तो भी आपको सभी प्रारूपों में अपने को साबित करने के अवसर मिलेंगे।

साथ ही कहा, वहीं अगर उनके साथ आपके करीबी रिश्ते नहीं हैं तो आप अंदर और बाहर किये जाते रहेंगे।

जुनैद के अनुसार लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी उन्हें लंबे समय तक खेलने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, मैं तीनों प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम का हिस्सा था तो मैं ब्रेक की मांग करता था पर मुझे आराम नहीं दिया गया। इसके बाद ऐसा समय आया जब मेरे साथ रिश्ते अच्छे नहीं रहे और तब मेरी अनदेखी होने लगी। मैं प्रदर्शन कर रहा था पर मुझे अवसर नहीं मिले।

जुनैद ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी 2017 में हसन अली के बाद दूसरा सबसे सफल गेंदबाज होने के बाद भी उन्हें साल 2019 विश्व कप की टीम में शामिल नहीं किया गया। साल 2019 में हुए आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप के दौरान सरफराज अहमद पाक कप्तान थे। ऐसे में जुनैद का निशाना आजम रहे हैं।